CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-344
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमेशा मेहनत करो।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 22 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सौरभ शर्मा केस में बड़ा खुलासा

मां ने झूठा शपथ पत्र देकर लगवाई थी नौकरी

पूर्व कॉन्स्टेबल और उमा शर्मा पर एफआईआर

मध्य प्रदेश परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा केस में बड़ा अपडेट है। ग्वालियर पुलिस ने सौरभ शर्मा और उसकी मां उमा शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। सहायक परिवहन आयुक्त किरन कुमार की शिकायत पर सिरोल थाने में शुक्रवार (21 मार्च) की रात धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ। इधर मध्यप्रदेश कांग्रेस ने सौरभ शर्मा केस की डायरी सार्वजनिक करने की मांग की है।

बड़े बेटे की सरकारी नौकरी की बात छिपाई पुलिस के मुताबिक, एक जनवरी 2025 को संयुक्त परिवहन आयुक्त (प्रशासन) की तरफ से एक एक पत्र मिला था। पत्र में सेवानिवृत परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा की नियुक्ति को लेकर दिए गए शपथ पत्र की जांच के निर्देश थे। किरन कुमार ने शिकायत में सर्विस रिकॉर्ड मंगाया। जांच हुई तो पता चला कि सौरभ शर्मा ने शपथ पत्र में बड़ा भाई सचिन शर्मा की छत्तीसगढ़ में सरकारी नौकरी का जिक्र नहीं किया। उमा शर्मा ने सौरभ की नियुक्ति के शपथ पत्र दिया था। पत्र में बड़े बेटे की सरकारी नौकरी की बात छिपाई थी।

ऐसे खुला राज इसके बाद छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त विभाग से संपर्क किया। वेबसाइट से कर्मचारियों की सूची निकाली तो सौरभ के बड़े भाई सचिन शर्मा के सड़क विकास निगम रायपुर में तैनात होने की पुष्टि हुई। बस यहीं से राज खुल गया। शपथ पत्र झूठे होने का प्रमाण मिला है। इस पर पुलिस ने सौरभ और उसकी मां उमा शर्मा पर धोखाधड़ी और अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। लोकायुक्त ने 19 दिसंबर को आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के घर और दफ्तर पर छापामार कार्रवाई की थी। लोकायुक्त को 2.95 करोड़ कैश, दो क्विंटल वजनी चांदी की सिल्लियां, सोने-चांदी के जेवरात और कई प्रापर्टी के दस्तावेज मिले थे। गुरुवार रात को ही भोपाल के मेंडोरी के जंगल में एक कार से 54 किलो सोना और 11 करोड़ कैश मिले थे। कार सौरभ के दौस्त चेतन सिंह की थी। सौरभ तभी से फरार था। पुलिस लगातार उसकी तलाश में दबिश दे रही थी। 23 दिसंबर को मामले में ईडी की एंट्री हुई थी। ईडी ने सौरभ और उसके सहयोगी चेतन गौर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था। इसके बाद से ही श्वष्ठ, ढ्ढञ्ज और लोकायुक्त के बाद डीआरआई (डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस) की कार्रवाई जारी है।

देर रात मैरिज गार्डन में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

ग्वालियर के झांसी रोड इलाके में शुक्रवार देर रात बंधन मैरिज गार्डन में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे गार्डन को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कंप्यूटर, साउंड सिस्टम और शामियाना समेत इंटीरियर का सामान जलकर राख हो गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुँचीं और आग पर काबू पाया।

कैसे लगी आग? शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि गार्डन में रात के समय एक कार्यक्रम चल रहा था, तभी अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद वहाँ अफरातफरी मच गई, लेकिन राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

दमकल की सात गाड़ियों ने पाया काबू जैसे ही घटना की जानकारी प्रशासन को मिली, तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को मौके पर भेजा गया। दमकल की सात गाड़ियों ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन, तब तक लाखों का सामान जलकर खाक हो चुका था।

प्रशासन की अपील प्रशासन ने इस घटना के बाद मैरिज गार्डन और बड़े समारोह स्थलों को सुरक्षा मानकों का पालन करने और आग से बचाव के इंतज़ाम मजबूत करने की सलाह दी है। साथ ही, इलेक्ट्रिकल उपकरणों की नियमित जांच करने की हिदायत भी दी गई है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

स्टाफ ने साहिल और मुस्कान को लेकर बताई चौंकाने वाली बातें

सौरभ हत्याकांड... हिमाचल के इस होटल में ठहरे थे दोनों

यूपी के मेरठ जिले में सामने आए सनसनीखेज हत्याकांड में रोजाना नए-नए खुलासे हो रहे हैं। पति सौरभ राजपूत की हत्या के बाद पत्नी मुस्कान अपने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ 10 मार्च को हिमाचल के कसोल में पहुंची थी। होटल पूर्णिमा में छह दिन तक रहे। इस दौरान बहुत कम बाहर निकले। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कमरा लेते समय प्रेमी साहिल शुक्ला ने मुस्कान को अपनी पत्नी बताया था। दोनों होटल के एक ही कमरे में रुके थे। स्टाफ से अधिक बातचीत नहीं करते थे। होटल स्टाफ के अनुसार, इन दोनों ने छह दिनों तक अपने कमरे की सफाई भी नहीं कराई थी। अपने ड्राइवर के साथ ही गाड़ी बाहर जाते थे, कुछ ही देर में वापस आ जाते थे। जांच में सामने आया कि इस दौरान मुस्कान ने साहिल का जन्मदिन मनाया था। इसके लिए कैब चालक से केक मंगाया।

व्हाट्सएप पर ऑडियो मेसेज भेजा मुस्कान की कैब चालक के साथ की गई चैटिंग और ऑडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। साहिल का जन्मदिन होली के दो दिन बाद 16 मार्च को था। मुस्कान ने शिमला के होटल में कैब ड्राइवर के साथ साहिल का जन्मदिन मनाया। इस दौरान मुस्कान साहिल से प्यार जताते हुए भी दिखाई दे रही है।

मुस्कान ने कैब ड्राइवर को व्हाट्सएप पर ऑडियो मेसेज भेजा था। जन्मदिन पर साहिल को सरप्राइज करना चाहती थी मुस्कान मुस्कान ने ड्राइवर से कहा कि कहीं से भी केक ले आए। यह भी कहा कि उसे फोन न करे केवल मेसेज पर बता दें कि केक मिला या नहीं। अगर केक मिल जाए तो हमारे रूम पर आ जाना और कहना कि हमारा ये सामान है, रख लो। माना जा रहा है कि मुस्कान इस तरह से केक मंगाकर जन्मदिन पर साहिल को सरप्राइज करना चाहती थी। यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कैब चालक को 54 हजार रुपये का भुगतान किया सौरभ की हत्या करने के बाद मुस्कान और साहिल शुक्ला पांच मार्च को हिमाचल प्रदेश गए थे। ब्रहमपुरी थाना प्रभारी निरीक्षक रमाकांत पचौरी ने बताया कि मुस्कान और साहिल शहर के शिवा ट्रैवर्ल्स से कार बुक करा कर हिमाचल प्रदेश घूमने गए थे। वहां पर दोनों शिमला, मनाली, कसोल वैली आदि स्थानों पर ठहरे थे। 13 दिन बाद 17 मार्च को दोनों मेरठ लौटे थे। दोनों ने कार चालक को 54 हजार रुपये का भुगतान किया था। दोनों के डांस करने और जश्न मनाने के वीडियो कार चालक ने बनाए थे। कार चालक से भी पूछताछ की जाएगी। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि सभी वीडियो को पुलिस ने अपनी जांच में शामिल कर लिया है। कार चालक समेत अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ की जाएगी।

क्या बोले मुस्कान के पड़ोसी ब्रह्मपुरी में घटनास्थल के पास रहने वाली राधा गोयल ने बताया कि मुस्कान यहां मकान में बेटी के साथ रहती थी। करीब ढाई साल से ये यहां किराये पर रहते थे। मुस्कान किसी से बात नहीं करती थी। बेटी को छोड़ने स्कूल जाती थी। सौरभ को फरवरी के आखिर में पहली बार देखा तो पता चला कि यह मुस्कान का पति है। हां, साहिल रोजाना यहां आता था। राधा के अलावा निशा तोमर, विकास आदि भी जघन्य हत्याकांड से हैरत में हैं।

खाना नहीं बनाती थी मुस्कान इस हत्याकांड की पूरे क्षेत्र में दिन भर चर्चा रही। अमर उजाला संवाददाता ने पड़ोसी महिला से जब बात की तो उसने बताया कि वे कुछ दिन पहले ही मुस्कान का नाम जानने लगे थे। जब पति नहीं होता था तो साहिल उसके घर कई बार आता था। लेकिन जब पति होता था तो वह उसके घर नहीं जाता था। महिला के अनुसार मुस्कान के घर पर दिन में खाना ऑर्डर करने के लिए दिन में छह बार डिलीवरी बॉय आते थे। फिलहाल पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है।

नशा करके किया सौरभ का कत्ल सौरभ के परिजनों का कहना है कि मुस्कान और साहिल ने नशा करके सौरभ की हत्या की है। सौरभ की मां का कहना है कि मुस्कान नशा करती थी। शराब, बीयर के अलावा वह अन्य नशा भी करने लगी थी। नशा करके दोनों ने सौरभ की हत्या की है।साहिल की नानी ने भी स्वीकार किया कि साहिल नशा करता था। गली के लोगों का यह भी कहना है कि वह स्मैक, हेरोइन आदि का सूखा नशा भी करने लगा था। एसपी सिटी का भी कहना है कि हत्याकांड वाले दिन साहिल ने बीयर पी रखी थी, मुस्कान ने नशा किया था ऐसी जानकारी नहीं मिली। इसे भी विवेचना में शामिल किया जाएगा।

हर वीकेंड पर प्रेमी के साथ घूमने जाती थी मुस्कान शनिवार और रविवार को मुस्कान अपनी बेटी पीहू को मायके में छोड़कर साहिल के साथ घूमने चली जाती थी। एसपी सिटी ने बताया कि शनिवार और रविवार को वह पूरा समय साहिल के साथ बिताती थी।

साहिल के घर मिलीं आपत्तिजनक चीजें पुलिस ने साहिल के घर पहुंचकर जांच पड़ताल की तो कई बड़े खुलासे हुए। उसके कमरे में कुछ आपत्तिजनक चीजें भी मिलीं। आखिर साहिल के दिमाग में क्या चल रहा था? क्या वह काला जादू या अंधविश्वास में उलझा था? क्या उसने तंत्र-मंत्र के लिए सौरभ का मुस्कान के हाथों कत्ल कराया है। इन सवालों के जवाब मिलना अभी बाकी हैं। आरोपी साहिल महादेव का बड़ा भक्त है, उसके कमरे में बनी महाकाल की विशाल पेंटिंग इसकी गवाही दे रही हैं। लेकिन जो अन्य पांच पेंटिंग्स मिली हैं वे अलग अलग विषयों और उसके अंधविश्वासी होने या काला जादू की ओर इशारा कर रही हैं।

क्या साइको है मुस्कान का प्रेमी साहिल? उठे सवाल साहिल के कमरे की दीवारों पर कई ऐसी पेंटिंग भी मिलीं, जिससे उसके साइको होने और भूत प्रेतों में रुचि रखने का अंदेशा भी जताया जा रहा है। एक पेंटिंग्स में एलियन का चेहरा और काले पेन से डॉट बने हैं जिस पर पेन से आकृति बनाई गई है यू केन नॉट ट्रिप विद अस। इसका मतलब है कि आप हमारे साथ ट्रिप पर नहीं जा सकते।

वकीलों ने आरोपियों की धुनाई की आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को कोर्ट में पेश करने के लिए पुलिस ले कर जा रही थी तो वकीलों ने आरोपियों की धुनाई कर डाली। बताया गया कि पुलिस जिस वक्त कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपियों को अदालत से बाहर लेकर जा रही थी। इसी दौरान वकीलों के एक ग्रुप ने उन्हें घेर लिया और उन पर हमला कर दिया। इस दौरान हाथापाई में में वकीलों ने साहिल के कपड़े खींचे और थप्पड़ बरसाए।

लंदन से लौटे युवक की पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर की हत्या जानकारी के अनुसार, मेरठ में लंदन से लौटे सौरभ कुमार (29) की चार मार्च की रात पत्नी मुस्कान रस्तोगी ने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर हत्या कर दी। आरोपियों ने चार मार्च को शव के 15 टुकड़े ड्रम में रखकर ऊपर से चिनाई कर दी। मुस्कान अपनी पांच साल की बेटी को मायके में छोड़कर प्रेमी के साथ शिमला घूमने चली गई। वापस लौटकर मुस्कान ने अपने पिता को सौरभ की हत्या करने की जानकारी दी।

मर्चेंट नेवी में काम करता था सौरभ कुमार मंगलवार को प्रमोद कुमार और मुस्कान के साथ ब्रह्मपुरी थाने पहुंचे और पुलिस को वारदात की जानकारी दी। पुलिस ने महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर सौरभ शव को बरामद किया है।

कुरुक्षेत्र में महायज्ञ में फायरिंग

ब्राह्मणों को खाना परोसने को लेकर विवाद, एक को लगी गोली... स्थिति तनावपूर्ण

कुरुक्षेत्र के केशव पार्क में चल रहे 1000 कुंडीय महायज्ञ में शनिवार को खाने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि माहौल तनावपूर्ण हो गया। आरोप है कि ब्राह्मणों को पुराना खाना परोसने को लेकर कहासुनी हो गई, जिसके बाद स्थिति बिगड़ गई। विवाद के दौरान एक सुरक्षाकर्मी ने गोली चला दी, जो आशीष तिवारी नामक ब्राह्मण को लगी। उन्हें गंभीर हालत में लोकनायक जयप्रकाश नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस घटना से नाराज ब्राह्मणों ने महायज्ञ स्थल के बाहर कुरुक्षेत्र-कैथल रोड जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस ने सख्ती दिखाई और जाम खुलवाने का प्रयास किया। फिलहाल मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और स्थिति को नियंत्रण में रखने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, माहौल अभी भी तनावपूर्ण बना हुआ है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

महायज्ञ में शामिल हो चुके हैं बड़े नेता 18 मार्च से शुरू हुआ यह महायज्ञ 27 मार्च तक चलना था, जिसके लिए 1008 कुंडीय यज्ञशाला बनाई गई थी। महायज्ञ में हर दिन 1,00,000 आहुतियां डाली जा रही थीं। अब इस विवाद के बाद आयोजन को लेकर संशय बना हुआ है। अब तक इस महायज्ञ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली, मुख्यमंत्री की पत्नी सुमन सैनी और पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा जैसे कई बड़े नेता शामिल हो चुके हैं।

जल है जीवन की धारा

विश्व जल दिवस पर इन संदेशों के जरिए करें सभी को जागरूक

विश्व जल दिवस हर साल 22 मार्च को मनाया जाता है। दुनिया जहां 70 फीसदी जल से घिरी है वहीं, पीने योग्य ताजा पानी महज तीन फीसदी ही है। वहीं जनसंख्या वृद्धि, बढ़ता शहरीकरण और विकास के लिए तेजी से बढ़ रही फैक्ट्रियों के कारण जल के स्त्रोत प्रभावित हो रहे हैं। व्यक्तिगत तौर पर भी लोग पानी की बर्बादी कर रहे हैं। इससे स्वच्छ जल की मांग बढ़ रही है और पूर्ति बाधित हो रही है। जल प्रदूषण रोकने, जल के महत्व को समझाने और जल संरक्षण के उद्देश्य से हर साल वैश्विक स्तर पर जल दिवस मनाया जाता है। इस दौरान पानी को बर्बाद होने से बचाकर कई समस्याओं का समाधान तलाशा जाता है। परिवारों को भी जल को पानी बचाने को लेकर जागरूक होने की जरूरत है। जल संरक्षण की शुरुआत घर से करें। उन्हें पानी की जरूरत के बारे में बताते हुए बचाने के तरीकों को समझाएं। आस पड़ोस के लोगों, दोस्तों, रिश्तेदारों और करीबियों को भी जल संरक्षण का महत्व और तरीका बताएं।

एमपी में मौसम का बदला मिजाज

वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सिस्टम का असर कम, इन जिलों में होगी बीरिश

मध्यप्रदेश में बीते कुछ दिनों से मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और दो साइक्लोनिक सिस्टम के प्रभाव से राज्य के कई जिलों में बारिश, ओलावृष्टि और आंधी देखने को मिली। हालांकि, शनिवार यानी आज से मौसम साफ होने की संभावना जताई गई है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और नर्मदापुरम में धूप खिली रहेगी।

किन जिलों में रह सकती है तेज हवाएं? रीवा, सीधी, मऊगंज और अनूपपुर जिलों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने की संभावना है। ऐसे में इन इलाकों में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विबाग ने बारिश की संभावना जताई है।

शुक्रवार को कहां-कहां हुआ मौसम परिवर्तन? बता दें, शुक्रवार को प्रदेश के कई जिलों में मौसम का मिजाज अचानक बदल गया।सागर, दमोह और सिंगरौली में ओले गिरे। और डिंडौरी, दमोह, मंडला, अनूपपुर (अमरकंटक), शहडोल, पन्ना और मैहर में आकाशीय बिजली के साथ बारिश हुई। वहीं, सागर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, सिवनी, दक्षिण मंडला, उमरिया, सीधी, सिंगरौली, उत्तर शहडोल, दक्षिण सतना, दक्षिण रीवा, मऊगंज, जबलपुर और कटनी में बादल छाए रहे।

तापमान में बढ़ोतरी के संके मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटों में प्रदेश के दिन और रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। लेकिन 24 मार्च से एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय हो सकता है, जिससे मौसम फिर से करवट ले सकता है।

उज्जैन सिंहस्थ के लिए इंदौर से ओंकारेश्वर तक तैयारी

पर्यटन और खरीदारी का मुख्य केंद्र बनेगा इंदौर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में संभागायुक्त कार्यालय में सिंहस्थ-2028 को दृष्टिगत रखते हुए इंदौर संभाग में स्वीकृत एवं निमार्णाधीन कार्यों की समीक्षा के लिए गूगल मीट के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर इंदौर आशीष सिंह, आईजी अनुराग, नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, इंदौर विकास प्राधिकरण के सीईओ आर.पी. अहिरवार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, संयुक्त आयुक्त सपना लोवंशी, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियन्ता सी.एस. खरत, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुमेश बांझल उपस्थित थे। गूगल मीट के माध्यम से धार, झाबुआ, आलीराजपुर, बड़वानी, खड़वा, खरगोन तथा बुरहानपुर जिलों के सभी कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की

बैठक में संभागायुक्त दीपक सिंह ने सभी अधिकारियों को सिंहस्थ पूर्व सभी तरह के निर्माण एवं संधारण के कार्य की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। बैठक में सभी प्रकार के निर्माण एवं संधारण के कार्य जिसमें सड़क निर्माण से लेकर पुल-पुलिया निर्माण, ड्रेनेज, विश्राम गृह, यातायात पार्किंग, मेडिकल केयर, फायर सेफ्टी आदि कार्य कराना सुनिश्चित करें। सभी कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समय सीमा का विशेष ध्यान रखें।

यहां पर उमड़ेंगे पर्यटक

बैठक में संभागायुक्त सिंह ने कहा कि सिंहस्थ मेले में उज्जैन जाने वाले श्रद्धालु इंदौर से होते हुए ज्योर्तिलिंग ओंकारेश्वर के साथ-साथ महेश्वर, मण्डलेश्वर, धार भोजशाला, धार की ऐतिहासिक बावड़ी, माण्डव, हनुवंतिया, असीरगढ़ किला, कट्ठीवाड़ा, सेंधवा किला आदि धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर दर्शन एवं भ्रमण के लिए भी जायेंगे।

इसके अलावा इंदौर में भी श्रद्धालु राजवाड़ा सहित पितृ पर्वत, लालबाग पैलेस, खजराना गणेश मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, बिजासन टेकरी सहित अन्य धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर दर्शन एवं पर्यटन के लिए जाएंगे। अतः इन सभी धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर शुद्ध पेयजल, विश्राम करने के लिए छायादार स्थल, शौचालय, पार्किंग आदि की पर्याप्त व्यवस्था की जाए।

परिवहन के लिए भी इंदौर पर होगा फोकस

बैठक में संभागायुक्त सिंह ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन, हवाई सेवा एवं रेल सेवा की दृष्टि से भी इंदौर महत्वपूर्ण केन्द्र है। यह उज्जैन से महज 56 किलोमीटर की दूरी पर है। व्यावसायिक दृष्टि से भी इंदौर सबसे बड़ा खरीदी बाजार है, इसलिए भी यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, इसलिये इंदौर में मूलभूत सुविधाएं जुटाना जरूरी है।

प्रयागराज कुंभ से लिए आइडिया

बैठक में संभागायुक्त सिंह ने पिछले दिनों प्रयागराज में सम्पन्न हुए कुंभ मेले का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां प्रशासन ने अस्थाई यातायात पार्किंग की व्यवस्था मुख्य मेले से कई किलोमीटर दूर की थी, ताकि पैदल जाने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा नहीं हो। सिंहस्थ मेले में रेल से यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा हेतु होल्डिंग एरिया बनाया जाए। ओंकारेश्वर सहित महेश्वर एवं मण्डलेश्वर के घाटों की सफाई की जाए। इंदौर संभाग में आने वाली नर्मदा सहित क्षिप्रा, गंभीर, माही, अनास, ताप्ती की सफाई की जाये। डॉक्टर एवं नर्सेस की निरंतर उपस्थिति के साथ चलित मेडिकल यूनिट स्थापित की जाए। मूलभूत चिकित्सकीय सुविधाएं जैसे ऑक्सीजन, दवाइयां एवं सीपीआर की पर्याप्त उपलब्धता आपातकालिक परिस्थितियों के लिए अस्थायी चिकित्सकीय व्यवस्था की जाये। श्रद्धालुओं के लिए अस्थाई बस स्टेण्ड, सार्वजनिक एवं निजी वाहनों के लिए अस्थाई पार्किंग, अस्थाई आश्रय स्थल भी बनाये जाये। बैठक में सभी अधिकारियों ने अपने सुझाव रखे।

मार्च आखिर या अप्रैल में होगा इंदौर मेट्रो का कॉमर्शियल रन, किराया 20 रुपए संभव

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर मेट्रो का कॉमर्शियल रन पहले जनवरी में शुरू होने की योजना थी, लेकिन अब यह मार्च के आखिरी हफ्ते या अप्रैल के पहले हफ्ते में शुरू होने की संभावना है। मेट्रो के संचालन से पहले, कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी (सी-एमआरएस) की टीम 24 और 25 मार्च को इंदौर आकर मेट्रो का फाइनल चेक करेगी।

सी-एमआरएस से हरी झंडी मिलने के बाद ही इंदौर मेट्रो का कॉमर्शियल रन शुरू किया जाएगा। मेट्रो के कोच और ट्रैक से संबंधित रेलवे बोर्ड से सभी अप्रूवल पहले ही मिल चुके हैं, और इन्हें पूरी तरह से फिट बताया गया है इंदौर मेट्रो के एक सेट का संचालन 15 से 30 मिनट के अंतराल पर किया जाएगा। यात्रियों की संख्या के आधार पर, यह अंतराल बढ़ाया या घटाया जा

सकता है। मेट्रो के संचालन की योजना के अनुसार, मेट्रो में सफर करने वाले यात्रियों के लिए न्यूनतम किराया 20 रुपए तय किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, मेट्रो प्रबंधन शुरूआत में 10 रुपए का प्रमोशनल डिस्काउंट देने की योजना बना रहा है, ताकि यात्रियों को आकर्षित किया जा सके और मेट्रो सेवा को अधिक लोकप्रिय बनाया जा सके।

सी-एमआरएस की टीम ने पहले भी इंदौर मेट्रो के डिपो और कोच का निरीक्षण किया था। इसके अलावा, टीम ने सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर के 5.9 किलोमीटर लंबे हिस्से में बने पांच मेट्रो स्टेशनों का भी निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान टीम ने कुछ सुधार के सुझाव दिए थे, जिन्हें मेट्रो प्रबंधन ने समय रहते सुधार लिया। इस प्रक्रिया में मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी एस कृष्ण चैतन्य भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वे हर हफ्ते इंदौर आकर काम का निरीक्षण कर रहे हैं और परियोजना को तेजी से पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं।

रेलवे बोर्ड की मंजूरी और सी-एमआरएस का फाइनल चेक

भारत में मेट्रो रेलवे एक्ट के तहत मेट्रो का संचालन होता है, इसलिए मेट्रो को वाय-डक्ट पर चलाने से पहले रेलवे बोर्ड से अप्रूवल लेना अनिवार्य होता है। रेलवे बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद अब सी-एमआरएस से फाइनल चेक बाकी है। 22 जनवरी को सी-एमआरएस की टीम ने इंदौर में मेट्रो डिपो और कोच का निरीक्षण किया था और अब मार्च के आखिरी हफ्ते में सी-एमआरएस टीम का फाइनल निरीक्षण किया जाएगा। इसके बाद ही इंदौर मेट्रो का कॉमर्शियल संचालन शुरू होगा।

पारिवारिक विवाद के बाद सिक्योरिटी गार्ड ने खुद को मारी गोली

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के खजराना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां एक सिक्योरिटी गार्ड ने पारिवारिक विवाद के बाद अपनी लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली। यह घटना शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे वैभव लक्ष्मी नगर में हुई। घायल सिक्योरिटी गार्ड की पहचान राम मनोहर भदौरिया के रूप में हुई है, जो एक गार्डन में नाइट ड्यूटी करते थे। सुबह जब वह घर लौटे तो किसी पारिवारिक मुद्दे पर कहासुनी हो गई, जिसके बाद उन्होंने अपनी 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली। राम मनोहर भदौरिया ने जैसे ही खुद को गोली मारी, तेज आवाज सुनकर परिजन तुरंत उनके पास पहुंचे।

उन्होंने देखा कि गोली उनके जबड़े में लगी है और उनकी हालत गंभीर है। परिवार ने तत्काल उन्हें इंदौर के बॉम्बे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल उपचार शुरू कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, गोली जबड़े में लगने के कारण उनकी हालत नाजुक बनी हुई है और इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही खजराना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने राम मनोहर भदौरिया की लाइसेंसी 12 बोर की बंदूक जब्त कर ली है और प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में इस घटना का मुख्य कारण पारिवारिक विवाद माना जा रहा है। हालांकि, मामले की पूरी सच्चाई जानने के लिए पुलिस हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है। राम मनोहर भदौरिया मूल रूप से मध्य प्रदेश के भिंड जिले के निवासी हैं। उनके परिवार में उनकी पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं। बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से इंदौर में रहकर सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहे थे। इस घटना से परिवार के सदस्य सदमे में हैं और उनकी हालत को लेकर चिंतित हैं। पुलिस परिजनों से भी बातचीत कर रही है ताकि घटना के पीछे की पूरी सच्चाई सामने आ सके।

युवक ने दस रुपए नहीं दिए तो भिखारी ने कर दी हत्या

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के सांवेर के चंद्रावतीगंज में एक भिखारी ने दस रुपये नहीं देने पर एक युवक की हत्या कर दी। हत्या के बाद से ही भिखारी फरार था। पुलिस ने उसे गुरुवार को पकड़ लिया। चंद्रावतीगंज में उन्हेंल निवासी प्रकाश पिता दीपाजी दायमा की लाश मिली थी। वह शराब दुकान के पास बैठा था। तभी भिखारी समीर खान आया और प्रकाश से दस रुपये देने का कहने लगा। प्रकाश ने पैसे देने से इनकार कर दिया और भिखारी को बुरा- भला कहने लगा। इस बात पर आरोपी को भी गुस्सा आ गया। उसने जेब से चाकू निकाला और प्रकाश के सीने और पेट पर दो-तीन वार कर दिए। इसके बाद वह भाग गया। प्रकाश को सांवेर के अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस को हत्या करने वाले का पता नहीं चल पा रहा था, लेकिन जांच में पता चला कि दुकान के पास भीख मांगने वाला युवक गायब है। इसके बाद उसकी खोजबीन शुरू की गई। पता चला कि आरोपी अकोला का रहने वाला था और वह वहां भागने की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने उसे चंद्रावती गंज से ही गिरफ्तार किया। आरोपी का पुराना आपराधिक रिकार्ड भी पुलिस को मिला है। आरोपी ने कहा कि प्रकाश ने उसे गालियां दी थी, यह बात उसे सहन नहीं हुई और उसने चाकू मार दिए।

स्वच्छता सर्वेक्षण शुरू, सात दिन शहर में रहेगी टीम

इंदौर। इंदौर में स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग के लिए प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो गई। इस बार इंदौर की सफाई व्यवस्था को बारिकी से परखा जाएगा, क्योंकि इंदौर स्वच्छता की प्रीमियर लीग में शामिल है। अन्य शहरों की तुलना में इस लीग में शामिल शहरों के आंकलन का पैमाना अलग होगा। इसमें इंदौर के अलावा सूरत और नवी मुंबई भी शामिल है। यह दोनों शहर पिछले साल दूसरे और तीसरे नंबर पर थे। इससे इस बार मुकाबला और कड़ा है। दोनों शहरों से इंदौर को टक्कर मिल रही है, लेकिन इंदौर की सबसे बड़ी ताकत डोर टू डोर कचरा कलेक्शन है। इंदौर में शत प्रतिशत कचरा घरों से निकल कर ट्रेंचिंग ग्राउंड तक जाता है। वैसे तो स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए रविवार

को ही इंदौर में टीम आ गई थी। टीम ने खजराना मंदिर का दौरा भी किया, लेकिन विधिवत सर्वेक्षण शुक्रवार से शुरू किया गया है। टीम शहर की बस्तियों में पहुंचेगी और लोगों से फीडबैक भी लेगी। इंदौर आई टीम को कहां जाना है और किस क्षेत्र का मुआयना करना है, इसके निर्देश दिल्ली में बैठी टीम गूगल मेप के जरिए देगी। शुक्रवार सुबह इंदौर की सफाई व्यवस्था आम दिनों की तुलना में बेहतर नजर आई। गलियों को विशेष तौर पर साफ किया गया और गीले और सूखे कचरे को व्यस्थित तरिके से घरों से लिया गया। मिक्स कचरे को लेने में सख्ती दिखाई गई।

इंदौर में आज भाजपा मनाएगी बिहार दिवस, सीएम मोहन यादव आएंगे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में भारतीय जनता पार्टी शनिवार को बिहार दिवस मनाएगी। भाजपा कार्यालय पर आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद आएंगे। कार्यक्रम में बिहार से आकर इंदौर में बस चुके रहवासी भी शामिल होंगे। 22 मार्च 1912 को बिहार बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग होकर एक स्वतंत्र राज्य बना था। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद शहर में होने वाले अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि बिहार दिवस दोपहर चार बजे मनाया जाएगा। उससे पहले

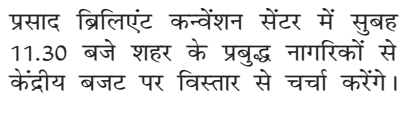

प्रसाद ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में सुबह 11.30 बजे शहर के प्रबुद्ध नागरिकों से केंद्रीय बजट पर विस्तार से चर्चा करेंगे। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय मध्यप्रदेश के बजट के संदर्भ में चर्चा करेंगे। दोपहर 2 बजे प्रेस वार्ता को संबोधित करेंगे। दोपहर 3 बजे रविशंकर प्रसाद वन नेशन, वन इलेक्शन विषय पर आई.सी.ए.आई. स्कीम नं. 78 में नगर के विषय-विशेषज्ञों के साथ चर्चा करेंगे। इंदौर में पहली बार बिहार दिवस मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव भी शामिल होंगे। वे दोपहर में इंदौर आएंगे। रविशंकर प्रसाद इंदौर में बिहारी समाज के लोगों से भी मुलाकात करेंगे।

5000 रुपए के लिए पूर्व कर्मचारी ने इंदौर में जला दिया कपड़ा मार्केट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। सराफा थाना क्षेत्र में स्थित श्रृंगी ऋषि मार्केट में लगी आग घटना नहीं, बल्कि एक साजिश थी। पुलिस ने जांच में पाया कि यह आग एक पूर्व कर्मचारी ने बदले की भावना से लगाई थी। इस आगजनी में 13 दुकानें जलकर खाक हो गई। वहीं, 5-7 करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। घटना के बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस ने आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया था लेकिन दुकानदारों ने अपनी जांच शुरू की तो हैरान रह गए। माही डिजाइन

नामक दुकान के सीसीटीवी फुटेज में रात 3 बजे एक संदिग्ध व्यक्ति नजर आया। यह कोई और नहीं, बल्कि सोनम कलेक्शन के मालिक भारत का पूर्व कर्मचारी देवा था। देवा सात दिन पहले ही भारत से बहस के बाद नौकरी से निकाला गया था। दुकानदारों ने जब फुटेज पुलिस को दिखाया तो तुरंत टीआई सुरेंद्रसिंह रघुवंशी के निर्देश पर एक टीम गठित की गई और रात में ही देवा को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी देवा ने कबूल किया कि वह भारत की दुकान पर काम करता था और उसे 13 मार्च को नौकरी से निकाल दिया गया था। उसका सात हजार रुपये का हिसाब था, लेकिन भारत ने सिर्फ दो हजार रुपये दिए। इसी बात से नाराज होकर उसने बदला लेने की ठान ली। घटना वाले दिन रंगपंचमी के कारण गार्ड ड्यूटी पर नहीं थे। देवा रात में मार्केट पहुंचा, पहले इधर-उधर देखा, फिर शराब के नशे में सिगरेट जलाई और छल्ला बनाकर भारत की दुकान की ओर फेंक दिया। दुकान में धीरे-धीरे आग सुलगने लगी और कुछ ही देर में पूरी मार्केट जलने लगी। आग इतनी तेजी से फैली कि फायर ब्रिगेड को तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मार्केट में सभी कपड़ों की दुकानें थीं, जिनमें फर्नीचर, इलेक्ट्रिक सामान और फाल सीलिंग भी थी, जिससे आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। कुल 22 में से 13 दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। पुलिस ने आरोपी देवा के खिलाफ साजिशन आगजनी का मामला दर्ज कर लिया है। अब इस घटना में और कौन-कौन शामिल हो सकता है, इसकी भी जांच की जा रही है।

मौसम विभाग ने कहा दो दिन ऐसा ही बना रहेगा मौसम

उमरिया, शहडोल, मैहर समेत कई जिलों में गिरे ओले, फसलों को नुकसान

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश में दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव है। इसके असर से प्रदेश में ओलावृष्टि, बारिश, गरज-चमक और आंधी चल रही है। शुक्रवार को प्रदेश के उमरिया, शहडोल, मैहर समेत कई जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे जिससे किसानों की फसलों का काफी नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन के लिए अलर्ट जारी किया है। 22 और 23 मार्च को भी ऐसा मौसम बना रहेगा। मौसम बदलने से कई शहरों में दिन के तापमान में खासी गिरावट हुई है। सीधी में 27.8 डिग्री, रीवा में 28.8 डिग्री, सतना में 31.4 डिग्री और नौगांव में पारा 32.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग के सीनियार वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि मौजूदा सिस्टम का असर 23 मार्च तक रहेगा। 24 मार्च से एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो सकता है। इसका असर भी प्रदेश में देखने को मिलेगा।

उमरिया में ओलावृष्टि से किसानों की मेहनत पर फिरा पानी

उमरिया जिले के घुलघुली क्षेत्र के ग्राम पंचायत जरहा के घोरमारा में शुक्रवार शाम करीब 5 बजे मौसम ने अचानक करवट ली। तेज आंधी, तूफान और बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। इस प्राकृतिक

आपदा से गेहूं, चना, मटर और सब्जियों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। फसल कटाई के अंतिम चरण में थी, ऐसे में यह आपदा किसानों के लिए और भी ज्यादा चिंताजनक हो गई है।

खेतों में खड़ी गेहूं की फसल तेज हवाओं के कारण गिर रही है। किसान अरुण तिवारी के अनुसार उनकी मेहनत से तैयार की गई फसल अब खतरे में है। जिले में रुक-रुक कर हो रही बारिश से जहां गर्मी से राहत मिली है, वहीं फसलों के लिए यह नुकसानदायक साबित हो रही है। किसान डॉक्टर बाल्मिक गौतम ने कहा कि खेतों में अभी गेहूं, चने और सरसों की फसल पककर तैयार है। इसे काटने की तैयारी कर रहे थे, इस ओलावृष्टि से इन फसलों को काफी नुकसान हो सकता है। शहडोल जिले में शुक्रवार की तड़के ठंडी हवाएं चलने लगीं। सुबह से ही घने बादल छाए रहे। दोपहर में तेज गर्जना के साथ बारिश हुई साथ ही ओलावृष्टि हुई है। छोटे-छोटे ओलों से खेतों में फसलों को नुकसान भी पहुंचा है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। मैहर में हो रही बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। शुक्रवार दोपहर जिले के कई इलाकों में तेज बारिश के साथ ओले गिरने से किसानों की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। पिछले दो दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने गेहूं, चना और सरसों जैसी दलहन फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। खासकर अमदरा और रामनगर क्षेत्र में यह नुकसान अधिक हुआ है।

शहडोल के ब्यौहारी में 3.5 इंच पानी गिरा

मध्यप्रदेश में पिछले 24 घंटे के अंदर कई जिलों में बारिश हुई। इनमें शहडोल, कटनी, उमरिया, जबलपुर, सिंगरौली, अनूपपुर, सीधी, दमोह, सीधी, छिंदवाड़ा, डिंडौरी, सिवनी, पन्ना, सागर, मंडला, रीवा, बैतूल, भोपाल, रायसेन, शिवपुरी, विदिशा, नर्मदापुरम, मऊगंज, निवाड़ी, टीकमगढ़, नरसिंहपुर, छतरपुर, अशोकनगर, राजगढ़, बालाघाट आदि जिले शामिल हैं।

अगले 2 दिन ऐसा रहेगा मौसम

22 मार्च- कटनी, डिंडौरी, मंडला, सिवनी और बालाघाट में आंधी और ओले का ऑरेंज अलर्ट है। रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर में गरज-चमक और आंधी चल सकती है।

23 मार्च- शहडोल, अनूपपुर और बालाघाट में गरज-चमक और हल्की बारिश होने का अनुमान है।

चार माह पहले शादी, संदिग्ध हालात में महिला डॉक्टर की मौत

पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों बिंदुओं पर कर रही जांच

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। चार महीने पहले शादी करने वाली एक महिला डॉक्टर की संदिग्ध परिस्थितियों में ससुराल में मौत हो गई है। महिला डॉक्टर के हाथ में इंजेक्शन का निशान मिला है। इससे पुलिस यह मानकर चल रही है कि जहर के इंजेक्शन से मौत हुई है। लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि महिला डॉक्टर ने जहर का इंजेक्शन लगाकर खुदकुशी की है या उसे किसी ने जहर का इंजेक्शन देकर हत्या की है। पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों बिंदुओं पर जांच कर रही है। मृतका के मायके वालों को भी सूचना दे दी गई है। फिलहाल पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। मामले की तफ्तीश में पुलिस उसके पति से पूछताछ कर रही है। शाहपुरा पुलिस के अनुसार डॉ. ऋचा पाण्डेय पति डॉ. अभिजीत पाण्डेय शाहपुरा थाना क्षेत्र के एक कवर्ड कॉलोनी में रहती थी। अभिजीत मूलतः सतना का रहने वाला है और चार माह पहले ही उसकी शादी ऋचा

के साथ हुई थी। अभिजीत डेंटल सर्जन है और एमपी नगर में क्लीनिक चलाता है।

पति ने महिला को बिस्तर में बेसुध देखा, यहीं से मामला संदिग्ध हुआ

अभिजीत पाण्डेय ने पुलिस को बताया कि आज शुक्रवार सुबह करीब पौने ग्यारह बजे उसने ऋचा को बिस्तर पर बेसुध हालत में देखा, जिसके बाद उसे लेकर बंसल अस्पताल पहुंचा। एएसआई महेन्द्र चौकसे ने बताया कि बंसल अस्पताल से नवविवाहिता की मौत की सूचना मिली थी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो डॉक्टरों ने बताया कि इलाज नहीं किया गया है। चेक करते ही इसे मृत घोषित कर दिया है। अस्पताल पहुंचने से पहली ही महिला की मौत हो चुकी थी। पुलिस को अभिजीत का प्रारंभिक बयान अटपटा लगा, क्योंकि वह अपने बयान में कह रहा है कि वह पौने ग्यारह बजे सोकर जगा तो ऋचा बेसुध पड़ी थी। अभिजीत यह भी नहीं बताया पा रहा कि ऋचा से उसका कोई विवाद हुआ था या नहीं। इसलिए पुलिस मौत को संदिग्ध मानकर जांच कर रही है।

परिजनों का आरोप बेटी की हत्या हुई है

विवेचना अधिकारी एएसआई चौकसे ने बताय कि मृतका के परिजनों ने बताया कि मेरी बेटी एमबीबीएस डॉक्टर थी। बेटी की चार माह पहले ही शादी हुई थी। उसकी हत्या की गई है, क्योंकि वह आत्महत्या नहीं कर सकती। परिजन भोपाल के लिए रवाना हो चुके हैं। परिजनों के सामने ही संभवतः कल सुबह उसका पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

पति बार-बार बदल रहा बयान

विवेचना अधिकारी ने बताया कि नवविवाहिता का पति डॉ. अभिजीत पाण्डेय बार-बार बयान बदल रहा है। पहले कहा कि जब मैं जगा तो ऋचा जग रही थी। कुछ देर बाद वह बिस्तर पर बेसुध पड़ी थी। बाद में कहा कि जब मैं जगा तो वह बिस्तर पर बेसुध पड़ी है। जांच में सामने आया कि दोनों रात में अलग-अलग कमरे में सोए थे। सुहब दरवाजा तोड़कर ऋचा के कमरे में पहुंचना बता रहा है। मामला पूरी तरह से संदिग्ध है।

विधानसभा में रोने लगे एमपी सरकार के मंत्री, कांग्रेस विधायक भी हुए भावुक

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के आठवें दिन कांग्रेस विधायक ने अपने बेटे को लेकर प्रश्न किया। जिस पर मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने उच्च स्तरीय जांच की बात कही और रोने लगे। इस दौरान कांग्रेस विधायक भी भावुक हो गए। दरअसल कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा ने अपने को लेकर प्रश्न लगाया।

इस पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि ऐसे प्रश्न के लिए दूसरा रास्ता चुन सकते थे। तो अभय ने कहा मेरे बेटे के खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज की गई है। इसके जवाब में मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी। सदन में परिवार से जुड़ा मामला उठा तो मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल फूट फूट कर रोने लगे। मंत्री ने कहा कि बेटे की बात है। दरअसल, नरेंद्र शिवाजी के बेटे के खिलाफ भी पुलिस ने मारपीट की थी।

पैर छूकर निवेदन कर रहा हूं न्याय दीजिए

कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा ने पूरक प्रश्न में कहा कि हाथ जोड़कर पैर छूकर निवेदन कर रहा हूं न्याय दीजिए। मैं अब वो करूंगा जो उन्हें शोभा नहीं देता। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी अभय का समर्थन किया और कहा एक विधायक के साथ ऐसी घटना हो रही है। आपको पुलिस के मनोबल की पड़ी है। विधायक अभय दरअसल सिंह ने प्रभारी टीआई पर खुद के साथ बेटे पर गलत एफआईआर दर्ज करने का आरोप लगाया था।

टीआई को किया जाएगा सस्पेंड

कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा कि जनता के चुने गए प्रतिनिध की दुर्गति हो रही है। सभी पुलिस अपराध में लग गई है। जनता के साथ दुर्व्यवहार के कारण पुलिस पिट रही है। इस पर मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने जवाब देते हुए कहा कि टीआई को सस्पेंड कराएंगे। रीवा के चोरहटा के थाना प्रभारी अवनीश पांडे को निलंबित किया जाएगा।

सर्वधर्म, इंद्रपुरी-नयापुरा में आज बिजली कटौती, 60 इलाकों में असर

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी के करीब 60 इलाकों में शनिवार को 30 मिनट से 7 घंटे तक बिजली कटौती होगी। यहां बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। जिन इलाकों में बिजली गुल रहेगी, उनमें सर्वधर्म कॉलोनी, इंद्रपुरी, नयापुरा, सोनागिरी, राजहर्ष कॉलोनी, जानकी नगर, भैरोपुर, छत्रसाल नगर, प्रियंका होम्स, जेके टाउन जैसे कई बड़े रहवासी इलाके भी शामिल हैं। इन इलाकों में पड़ेगा असर- सुबह 10 से 10.30 बजे तक एवं दोपहर 1.30 से 2 बजे तक चंद्रिका नगर, फॉरच्यून ग्लोरी, तिलक नगर एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक गुजराती कॉलोनी, डीके कॉटेज एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक सुल्तानिया इन्फ्रेंट्री रोड, विट्ठल नगर, संत आशाराम, रामानंद नगर, जानकी नगर, गुफा मंदिर, जैन मंदिर एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 3.30 बजे तक कान्हा फन सिटी, चिनार ड्रीम सिटी, कार्मल कॉन्वेंट स्कूल, सौम्या व्हीकल, भैरोपुर, भोईपुरा एवं आसपास। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक सर्वधर्म सी सेक्टर, प्रियंका होम्स, गुड शेफर्ड, कावेरी कॉलोनी, जेके टाउन एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से शाम 5 बजे तक सुरुचि नगर, निवेश नगर, माखनलाल यूनिवर्सिटी, ईएसआई हॉस्पिटल, झुग्गी, सोना गिरी बी सेक्टर, सतनामी नगर, इंद्रपुरी, मंदाकिनी परिसर, चमन प्लाजा, सिटी हार्ट हॉस्पिटल, निरजा नगर, छत्रसाल नगर, लेबर कॉलोनी, अजंता कॉम्पलेक्स, रविदास नगर, भारत नगर एवं आसपास। सुबह 11 से दोपहर 12 बजे तक वेलेंसिया, आशिमा रॉयल सिटी एवं आसपास के इलाके। सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक अब्बास नगर, समृद्धि परिसर, ओम नगर, राजहर्ष कॉलोनी, सस्ता भंडार एरिया एवं आसपास के क्षेत्र। सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक आशिमा अनुपम सिटी एवं आसपास।

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने सीएम को लिखा पत्र

कांग्रेस विधायकों से पक्षपात, विकास कार्यों के लिए नहीं मिल रहा बजट

भोपाल। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस विधायकों को विकास कार्यों के लिया पैसा नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार कांग्रेस विधायकों के साथ पक्षपात कर रही है। बीजेपी विधायकों को 15-15 करोड़ रुपए दिए गए हैं। लेकिन कांग्रेस विधायकों को 15 करोड़ की विकास निधि नहीं दी जा रही है। बीजेपी विधायक के क्षेत्र में भी विकास के दिए जा रहे फंड में भ्रष्टाचार हो रहा है। कमीशन देने पर ही काम हो रहे है। जीतू पटवारी ने कई मुद्दों पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। साथ ही उन्होंने कोविड के दौरान जान गंवाने वाले बच्चों के परिजनों को शिक्षा देने की मांग की है।

पटवारी ने कोविड को लेकर भी सीएम को पत्र लिखा है। पीसीसी चीफ ने कहा कि सरकार ने वादा किया था कि कोविड में जान गंवाने वाले माता-पिता के बच्चों को सरकार शिक्षा देगी। मां-बाप को खो चुके बच्चों को 5 हजार देने का ऐलान किया गया था। लेकिन कोविड को लेकर बजट में कोई राशि आवंटित नहीं की गई। साथ ही कोविड में काम करते हुए जिन कर्मचारियों की मौत हुई, उनको शहीद का दर्जा मिलेगा वह भी नहीं मिला।

पटवारी ने सीएम से की तीन मांगें

1- सभी विधायकों को, चाहे वे किसी भी दल से हों, समान रूप से 15 करोड़ रुपए की विकास निधि प्रदान की जाए।

2- निधि के आवंटन और व्यय की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए, ताकि भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी पर रोक लगाई जा सके।

3- जिन अधिकारियों और ठेकेदारों पर कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार के आरोप हैं, उनकी निष्पक्ष जांच कर कठोर कार्रवाई की जाए। पीसीसी चीफ ने आगे लिखा, मध्य प्रदेश की जनता ने अपने विधायकों को उनके क्षेत्र के विकास के लिए चुना है, न कि भेदभाव और भ्रष्टाचार झेलने के लिए। यदि आपकी सरकार वास्तव में सबका साथ, सबका विकास की नीति में विश्वास रखती है, तो इस अन्यायपूर्ण नीति को तुरंत समाप्त किया जाए और सभी विधायकों को समान अवसर और अधिकार दिए जाएं। आशा है कि आप मध्य प्रदेश की खराब होती छवि को लेकर गंभीरता से विचार करेंगे और जनहित में अपनी संकीर्ण सोच और मानसिकता से मुक्त होकर मुख्यमंत्री के मूल कर्तव्य का निर्वहन करेंगे।

प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री कंषाना ने चंबल के रेत माफिया को पेट माफिया बताया

भोपाल। प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना का एक बयान सरकार के लिए मुसीबत बन गया है। दअरसल मुरैना जिले में रेत माफिया द्वारा वन विभाग की टीम पर हमला करने के मामले में विधानसभा में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वहां रेत माफिया नहीं, पेट माफिया है। पेट भरने के लिए लोग अपना काम कर रहे हैं। वहां कोई रेत माफिया नहीं है। मंत्री के इस बयान के बाद कांग्रेस विधायकों ने सरकार को जमकर घेरा और कहा कि यह तो एक मंत्री की बात है। पूरी सरकार माफिया को संरक्षण दे रही है। कांग्रेस विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा ने मंत्री एदल सिंह कंषाना के बयान पर कहा कि ये तो एक मंत्री की बात है। पूरी सरकार माफिया का संरक्षण कर रही है। जो भी अवैध काम प्रदेश में हो रहे हैं उनको सरकार संरक्षण दे रही है। सरकार इन माफियाओं को पेट माफिया बताकर उनका संरक्षण कर रही है। वहीं कांग्रेस विधायक बाला बच्चन ने कहा कि ये सब सरकार के संरक्षण में हो रहा है। अगर ऐसा नहीं होता तो माफिया और गुंडों की इतनी हिम्मत नहीं होती। इसलिए सरकार को इसे रोकना चाहिए। मुख्यमंत्री जी के पास ही गृह विभाग है,

परिवहन घोटाला: लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू के बाद इनकम टैक्स कार्यालय पहुंचे नेता प्रतिपक्ष

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार कांग्रेस विधायकों के प्रतिनिधिमंडल के साथ इनकम टैक्स विभाग के महानिदेशक से मुलाकात की। सिंघार ने परिवहन घोटाले से जुड़े दस्तावेज विभाग को सौंपे। गौरतलब है कि इससे पहले उन्होंने इसी मामले में लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू पहुंचकर शिकायत की थी। शिकायत के बाद नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने लोकसेवक के पद पर रहते हुए भ्रष्टाचार किया।अपने और रिश्तेदारों के नाम से सैकड़ों एकड़ जमीन का अवैध लेनदेन किया। इसकी जांच करने और बेनामी संपत्ति

अटैच करने की मांग की है। सिंघार ने बताया कि महा निदेशक ने जल्द कार्रवाई का अश्वासन दिया है।

बड़े मगरमच्छों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से चल रहे परिवहन घोटाले में केवल छोटी मछलियां ही पकड़ी जा रही हैं, लेकिन बड़ी संपत्ति अर्जित करने वाले बड़े मगरमच्छों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। सिंघार ने कहा कि यह सरकार भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है, इसलिए हमने पहले लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू में और अब इनक टैक्स विभाग में मंत्री राजपूत के खिलाफ शिकायत की है।

प्रतीकात्मक बिस्किट भी दिखाए

उमंग सिंघार ने मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए सोने के प्रतीकात्मक बिस्किट भी दिखाए और कहा कि एक सिपाही को गिरफ्तार किया जाता है लेकिन जो बड़े मगरमच्छ हैं, जिन्होंने हजारों करोड़ की अवैध संपत्ति बनाई है, जिनके पास पैसा पहुंच रहा था। उनपर कार्यवाही नहीं होती। उन्होंने कहा कि ये सरकार भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है।

बड़े नामों का खुलासा करने की मांग

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हमने आयकर विभाग को सोने और पैसों की जप्ती को लेकर बधाई दी साथ ही इस मामले में निष्पक्ष जांच सहित सभी बड़े नामों का खुलासा करने की मांग की है जिसपर महानिदेशक ने जांच का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा की परिवहन घोटाले में शामिल सभी लोगों की प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री और चुनावी हलफनामे में छुपाई गयी संपत्ति के दस्तावेज भी आयकर विभाग को सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

सोने की ईंटें किसकी

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आयकर विभाग जनता के हित को देखते हुए सामने लाएगा की ये सोने की ईंटें किसकी है।

उन्होंने आगे कहा कि ये जनता की कमाई है और कांग्रेस पार्टी किसी मंत्री और अधिकारी को इसे खाने नहीं देगा। उन्होंने सरकार से पूछा कि जिस परिवहन विभाग का बजट ही 150-200 करोड़ है उसमें 5000 करोड़ का घोटाला कैसे हो रहा रहा था।

सम्पादकीय

सबको पता है पानी का महत्व बावजूद बर्बाद किया जा रहा जल

'जल है तो कल है', बावजूद इसके जल बेवजह बर्बाद किया जाता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जल-संकट का समाधान जल के संरक्षण से ही है। हम हमेशा से सुनते आये हैं 'जल ही जीवन है'। जल के बिना सुनहरे कल की कल्पना नहीं की जा सकती, जीवन के सभी कार्यों का निष्पादन करने के लिए जल की आवश्यकता होती है। यह पृथ्वी पर उपलब्ध एक बहुमूल्य संसाधन है जल, या यूं कहें कि यही सभी सजीवों के जीने का आधार है। धरती का लगभग तीन चौथाई भाग जल से घिरा हुआ है, किन्तु इसमें से 97 फीसदी पानी खारा है जो पीने योग्य नहीं है, पीने योग्य पानी की मात्रा सिर्फ 3 फीसदी है। इसमें भी 2फीसदी पानी ग्लेशियर एवं बर्फ के रूप में है। इस प्रकार सही मायने में मात्र 1 फीसदी पानी ही मानव के उपयोग हेतु उपलब्ध है।

'जल है तो कल है', बावजूद इसके जल बेवजह बर्बाद किया जाता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जल-संकट का समाधान जल के संरक्षण से ही है। हम हमेशा से सुनते आये हैं 'जल ही जीवन है'। जल के बिना सुनहरे कल की कल्पना नहीं की जा सकती, जीवन के सभी कार्यों का निष्पादन करने के लिए जल की आवश्यकता होती है। यह पृथ्वी पर उपलब्ध एक बहुमूल्य संसाधन है जल, या यूं कहें कि यही सभी सजीवों के जीने का आधार है। धरती का लगभग तीन चौथाई भाग जल से घिरा हुआ है, किन्तु इसमें से 97 फीसदी पानी खारा है जो पीने योग्य नहीं है, पीने योग्य पानी की मात्रा सिर्फ 3 फीसदी है। इसमें भी 2फीसदी पानी ग्लेशियर एवं बर्फ के रूप में है। इस प्रकार सही मायने में मात्र 1 फीसदी पानी ही मानव के उपयोग हेतु उपलब्ध है।

नगरीकरण और औद्योगिकीरण की तीव्र गति व बढ़ता प्रदूषण तथा जनसंख्या में लगातार वृद्धि के साथ प्रत्येक व्यक्ति के लिए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है देश के कई हिस्सों में पानी की समस्या विकराल रूप धारण कर रही है। प्रतिवर्ष यह समस्या पहले के मुकाबले और बढ़ती जाती है, लेकिन हम हमेशा यही सोचते हैं बस जैसेतैसे गर्मी का सीजन निकाल जाए बारिश आते ही पानी की समस्या दूर हो जाएगी और यह सोचकर जल सरंक्षण के प्रति बेरुखी अपनाए रहते हैं। आगामी वर्षों में जल संकट की समस्या और अधिक विकराल हो जाएगी, ऐसा मानना है विश्व आर्थिक मंच का। इसी संस्था की रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि दुनियाभर में 75 प्रतिशत से ज्यादा लोग पानी की कमी की संकटों से जूझ रहे हैं। 22 मार्च को मनाया जाने वाला 'विश्व जल दिवस' महज औपचारिकता नहीं है, बल्कि जल संरक्षण का संकल्प लेकर अन्य लोगों को इस संदर्भ में जागरुक करने का एक दिन है।

शुद्ध पेयजल की अनुपलब्धता और संबंधित ढेरों समस्याओं को जानने के बावजूद देश की बड़ी आबादी जल संरक्षण के प्रति सचेत नहीं है। जहां लोगों को मुश्किल से पानी मिलता है, वहां लोग जल की महत्ता को समझ रहे हैं, लेकिन जिन्हें बिना किसी परेशानी के जल मिल रहा है, वे ही बेपरवाह नजर आ रहे हैं। आज भी शहरों में फर्श चमकाने, गाड़ी धोने और गैर-जरुरी कार्यों में पानी को निर्ममतापूर्वक बहाया जाता है।

प्रदूषित जल में आर्सेनिक आदि की मात्रा अधिक होती है, जिसे पीने से तमाम तरह की स्वास्थ्य संबंधी व्याधियां उत्पन्न हो जाती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अध्ययन के अनुसार दुनियाभर में 86 फीसदी से अधिक बीमारियों का कारण असुरक्षित व दूषित पेयजल है। वर्तमान में करीब 1600 जलीय प्रजातियां जल प्रदूषण के कारण लुप्त होने के कगार पर हैं, जबकि विश्व में करीब 1.10 अरब लोग दूषित पेयजल पीने को मजबूर हैं और साफ पानी के बगैर अपना गुजारा कर रहे हैं। ऐसी स्थिति सरकार और आम जनता दोनों के लिए चिंता का विषय है। इस दिशा में अगर त्वरित कदम उठाते हुए सार्थक पहल की जाए तो स्थिति बहुत हद तक नियंत्रण में रखी जा सकती है, अन्यथा अगले कुछ वर्ष हम सबके लिए चुनौतिपूर्ण साबित होंगे।

विश्व जल दिवस का उद्देश्य पानी के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और स्थायी जल प्रबंधन को देखना है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिन की शुरुआत हुई थी और तब से प्रत्येक वर्ष इस दिन जल संसाधनों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। यह दुनियाभर में व्यक्तियों, समुदायों और सरकारों को पानी के संरक्षण और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करता है। विश्व जल दिवस 2025 की थीम है ग्लेशियर संरक्षण। ग्लेशियर पृथ्वी पर जीवन के लिए आवश्यक हैं। वे ग्रह को ठंडा रखते हैं, साथ ही दुनिया के मीठे पानी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा संग्रहीत करते हैं, झीलों और नदियों को पानी देते हैं और पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखते हैं।

देश में खूब पानी...फिर भी भयानक जलसंकट

भारत दुनिया के उन चंद देशों में से है, जिसे पानी खूब मिला है। यहां करीब 9 नदियों का व्यापक तंत्र है, जिससे भारत का करीब 81 फीसदी भौगोलिक क्षेत्र कवर होता है। इसके बावजूद भारत एक भयानक जल संकट से जूझ रहा है। भारत के बड़े शहरों में सूखते जलाशय और पानी का गिरता स्तर गंभीर संकट बन गया है। इस पर कोढ़ में खाज की स्थिति यह है कि पीने, खेती, उद्योग, व्यापारिक और निर्माण गतिविधियों के उपयोग के चलते पानी के स्रोतों पर बढ़ते दबाव के बीच भूजल स्तर अपने निम्नतम स्तर पर जा पहुंचा है। वर्तमान में 85 फीसदी ग्रामीण और 50 फीसदी शहरी आबादी भूजल पर निर्भर करती है, जिसकी बदौलत भूजल का दोहन करने वाले देशों में भारत अव्वल पर आ गया है।

भारत दुनिया के उन चंद देशों में से है, जिसे पानी खूब मिला है। यहां करीब 9 नदियों का व्यापक तंत्र है, जिससे भारत का करीब 81 फीसदी भौगोलिक क्षेत्र कवर होता है। इसके बावजूद भारत एक भयानक जल संकट से जूझ रहा है। भारत के बड़े शहरों में सूखते जलाशय और पानी का गिरता स्तर गंभीर संकट बन गया है। इस पर कोढ़ में खाज की स्थिति यह है कि पीने, खेती, उद्योग, व्यापारिक और निर्माण गतिविधियों के उपयोग के चलते पानी के स्रोतों पर बढ़ते दबाव के बीच भूजल स्तर (यानि वॉटर टेबल- जमीन के नीचे के पानी के स्तर को वॉटर टेबल और सतह से ऊपर के पानी को वॉटर लेवल के आधार पर मापा जाता है) अपने निम्नतम स्तर पर जा पहुंचा है। वर्तमान में 85 फीसदी ग्रामीण और 50 फीसदी शहरी आबादी भूजल पर निर्भर करती है, जिसकी बदौलत भूजल का दोहन करने वाले देशों में भारत अव्वल पर आ गया है।

जलशक्ति मंत्रालय की एक रिपोर्ट बताती है कि ग्राउंडवॉटर रिचार्ज यानि बारिश के पानी के दोबारा भूमि में जाने की यह स्थिति है कि सालाना 3880 बीसीएम (बिलियन क्यूबिक मीटर) के एवज में महज 432 बीसीएम ही रिचार्ज हुआ है। यही नहीं 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विभिन्न स्तर पर मौजूद 1186 जल इकाइयों को अतिशोषित यानी अत्यधिक दोहन की श्रेणी में डाला गया है। यह वह इकाइयां हैं जहां वॉटर रिचार्ज यानी जमीन में पानी जाने से ज्यादा उसको निकाला जा रहा है।

जिस तरह के हालात भारत में पानी के लेकर पैदा हो रहे है, ऐसे में जल प्रबंधन ही एकमात्र ऐसा जरिया है जो इसका सटीक इलाज बन सकता है।

हम बचपन से पढ़ते आ रहे हैं कि किस तरह बारिश होती है, किस तरह धरती का पानी आसमान में जाता है और फिर वापस धरती पर आता है। यह प्रकृति का ऐसा चक्र है, जिसमें बाधा पैदा कर दिए जाने की वजह से और अतिदोहन की वजह से पूरी दुनिया में जलसंकट उभरा है। आज भूजल आर्थिक तौर पर कई क्षेत्रों जैस कृषि, उद्योग, ऊर्जा, मत्स्य पालन, परिवहन, घरेलू उपयोग में इस्तेमाल होता है। ऐसे में पेय जल का अन्य कामों में इस्तेमाल और सीवेज जल का पुनर्चक्रण नहीं होना जल संकट पैदा करने में एक बहुत बड़ी वजह बनी है। चौंका देने वाले कुछ आंकड़े बताते हैं कि दुनियाभर में करीब 80 फीसद अपशिष्ट जल बगैर उपचारित किए यूं ही पर्यावरण में छोड़ दिया जाता है।

अगर भारत की बात करें तो यहां शहरी स्तर पर रोजाना पैदा होने वाले कुल 72,368 मिलियन लीटर सीवेज का एक तिहाई ही उपचारित किया जाता है। ऐसे में कृषि और उद्योग जहां सबसे ज्यादा अपशिष्ट जल पैदा होता है, उन्हें इसे भूजल के साथ मिलने से रोकने के उपाय अपनाना चाहिए। हालांकि सरकार इसे लेकर काम कर रही है. राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत 11 ताप विद्युत उत्पादन इकाइयों के साथ काम कर रही है, जिसके तहत विभिन्न उपयोगों के लिए इनकी एसटीपी से निकले उपचारित पानी का उपयोग किया जाएगा। यही नहीं सीवेज के कीचड़ का उपयोग बायोगैस बनाने में करने के लिए भी सरकार प्रोत्साहन दे रही है, जिसकी मिसाल वाराणसी के दीनापुर की एक इकाई है जहां 140 एमएलडी संयत्र से जरूरत के हिसाब से पर्याप्त बिजली का उत्पादन किया जा रहा है।

भारत हर लिहाज से विविधताओं से भरा देश हैं, यहां हर इलाके की भौगोलिक बनावट अलग है, इसलिए समाधान भी स्थानीय स्तर पर ढूंढा जाना बेहद जरूरी होता है। मसलन गुजरात, राजस्थान में जलवायु शुष्क है, इसलिए वहां भूजल संकट है तो दक्षिण में क्रिस्टलीय एक्राफियर से भूजल की उपलब्धता पर असर पड़ता है। इसके साथ ही अलग-अलग जगह पर बारिश का अलग अलग प्रभाव रहता है, जिससे ग्राउंड वॉटर रिचार्ज में असमानता देखने को मिलती है।

हालांकि, भारत में पानी राज्य का विषय है, यानी प्रत्येक राज्य के पास अपने तरीके से पानी के मुद्दों पर चर्चा करने और हल करने का संप्रभु अधिकार है। केंद्रीकृत दृष्टिकोण का नहीं होना, जो पूरे नदी बेसिन को एक जल विज्ञान इकाई के रूप में मानती है, जल संरक्षण और प्रबंधन को काफी हद तक प्रभावित करती है और जल-कुशल रणनीतियों के कार्यान्वयन को रोकती है. जल शक्ति मंत्रालय के गठन के साथ अब इस मुद्दे को आंशिक रूप से जांच के दायरे में रखा जा रहा है, जो पानी से संबंधित कार्यक्रमों को एक ढांचे के दायरे में लाने के लिए काम कर रहा है. मसलन, जल शक्ति मंत्रालय एक नई राष्ट्रीय जल नीति तैयार कर रहा है, जिसका मकसद जलस्रोतों का इस्तेमाल और जल प्रबंधन एकीकृत राष्ट्रीय दृष्टिकोण से होना है. सरकार ने सिंचाई, घरेलू जल आपूर्ति और अन्य क्षेत्रों में पानी के उपयोग में सुधार के लिए एक राष्ट्रीय जल उपयोग दक्षता ब्यूरो बनाने का भी प्रस्ताव दिया है। इससे देशभर में जल-कुशल उपकरणों को बढ़ावा मिलेगा।

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के मुताबिक, भारत में जलउपचार संयत्र की लागत प्रति मिलियन लीटर एक करोड़ रुपये आती है। इसके साथ शहरी क्षेत्रों में अपशिष्ट जल उपचार संयत्र के लिए जगह की कमी, ऊर्जा की कमी, कुशल श्रमिकों की कमी जैसी दिक्कतें भी शामिल हैं। हालांकि पिछले एक दशक में पूरे देशभर में अपशिष्ट जल उपचार में निवेश को लेकर कई उल्लेखनीय नीतियां और फैसले लिए गए हैं।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत जल उपचार के लिए कम लागत वाली स्वदेशी तकनीक को विकसित करने पर विशेष काम हो रहा है। इसमें भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर और गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों का भी सहयोग मिल रहा है। इसके साथ ही निजी संस्थान भी अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर भी जल प्रबंधन पर विशेष तौर पर काम हो रहा है, जिसके चलते कस्बों और शहरों में उपचार मॉडल की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। आगे चलकर अपशिष्ट जल उपचार एक व्यवसाय के तौर पर उभर सकता है जो निजी संस्थानों और स्थानीय निकायों के लिए कमाई का एक जरिया बन सकता है और इससे होने वाली कमाई का इस्तेमाल समाज के दूसरे कामों में किया जा सकता है। 6000 करोड़ की केंद्र की अटल भूजल योजना भूजल स्रोतों के प्रबंधन को सुनिश्चित करती है और जल प्रबंधन में समुदायों के योगदान को बढ़ाती है। अटल जल को सात राज्यों गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तरप्रदेश के 81 जल-तनावग्रस्त जिलों और 8,774 ग्राम पंचायतों में लागू किया जा रहा है।

इसमें कोई दोराय नहीं है कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ती आबादी के बीच भूजल दोहन पर नियत्रण बेहद मुश्किल है। ऐसे में सही तरह से जल का प्रबंधन और वर्षा जल संचयन की एक मात्र ऐसा तरीका है, जिसके जरिये हम इस मुसीबत का मुकाबला कर सकते हैं। जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए, केंद्र ने सभी जिलों (ग्रामीण) के सभी ब्लॉकों को कवर करने के लिए जल शक्ति अभियान: कैच द रेन व्हेयर इट फॉल्स, व्हेन फॉल्स? थीम के साथ शुरू किया है। इसका मतलब है लोगों को मॉनसून से पहले और मॉनसून के महीने में जहां बारिश हो रही है उसे वहीं पर रोकने और भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

मुस्लिम आरक्षण का मोह नहीं छोड़ पा रही है कांग्रेस

कांग्रेस ने शायद ठान ली है कि चाहे कुछ भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े पर वोट बैंक के लिए मुसलमानों से प्रेम कम नहीं होने वाला। ऐसे ही कारणों से कांग्रेस न सिर्फ केंद्र की सत्ता से बल्कि ज्यादातर राज्यों में भी सत्ता से बाहर है। दूसरे शब्दों में कहें तो कांग्रेस के कथित मुस्लिम प्रेम ने भारतीय जनता पार्टी का सत्ता का रास्ता आसान कर दिया। कांग्रेस की इस नीति ने खुद को तो दरबदर कर ही दिया, इससे देश के मुसलमानों को नुकसान पहुंचाया। मुसलमानों को बेवजह देश के प्रति वफादारी जाहिर करने पर मजबूर होना पड़ा। भाजपा ने कांग्रेस के जरिए मुसलमानों को भी घेरने में कसर बाकी नहीं रखी। ऐसे में बेवजह राजनीति में घसीटे गए मुसलमानों की मुश्किलें बढ़ गई। मुसलमान कांग्रेस के दिखावटी वोट प्रेम का विरोध नहीं कर सके और भाजपा के निशाने पर आ गए।

कांग्रेस ने कर्नाटक में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण देकर फिर से विवाद खड़ा कर दिया। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस वाकई मुसलमानों का भला चाहती हो, यदि ऐसा ही होता तो मुस्लिम आबादी का बड़ा तबका आज देश के विकास में आगे होता। जबकि लंबे वक्त तक देश में कांग्रेस का शासन रहा है। कर्नाटक सरकार ने सरकारी टेंडर में अब टेंडर भरने वाले मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण दे दिया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कैबिनेट मीटिंग इस प्रस्ताव को मंजूर भी कर लिया। इससे एक करोड़ रुपये तक की निविदाओं में मुस्लिम ठेकेदारों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता साफ हो गया। कांग्रेस के इस फैसले से राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। कर्नाटक सरकार के इस निर्णय ने भाजपा को कांग्रेस और मुसलमानों के खिलाफ फिर से नया हथियार थमा दिया। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कर्नाटक सरकार द्वारा मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव राहुल गांधी के पूर्ण संरक्षण में पारित किया गया है। हम यह पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता पर निशाना साधते हुए प्रसाद ने कहा कि कर्नाटक सरकार का कदम राहुल गांधी की मानसिकता को दशार्ता है। ऐसा नहीं है कि कर्नाटक के जरिए देशभर के मुसलमानों के प्रति मोहब्बत दशार्ने का कांग्रेस का यह पहला मौका है, इससे पहले भी कर्नाटक में मुस्लिमों के आरक्षण को लेकर विवाद रहा है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने आरक्षण का लाभ देने के लिए मुसलमानों को पिछड़ा वर्ग की लिस्ट में शामिल किया था। सरकार ने मुसलमानों को ओबीसी लिस्ट में जगह दी। हालांकि, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने सरकार के इस फैसले की आलोचना की थी। आयोग ने कहा था कि इस फैसले ने सामाजिक न्याय के सिद्धांत को कमजोर कर दिया है। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक, कर्नाटक राज्य में मुस्लिम की जनसंख्या 12.32 फीसदी है और उसे राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय का दर्जा हासिल है। मध्य प्रदेश की चुनावी रैली के दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस को ओबीसी समुदाय का सबसे बड़ा दुश्मन करार देते हुए कहा था कि एक बार फिर कांग्रेस ने पिछले दरवाजे से ओबीसी के साथ सभी मुस्लिम जातियों को शामिल करके कर्नाटक में धार्मिक आधार पर आरक्षण दिया है। विवाद बढ़ा तो कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि यह दावा करना कि कांग्रेस ने पिछड़े वर्गों से मुसलमानों को आरक्षण ट्रांसफर कर दिया, एक सरासर झूठ है। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा अभी भी मुसलमानों के लिए कोटा के अपने समर्थन पर कायम हैं या नरेंद्र मोदी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। गौरतलब है कि यह आरक्षण पहली बार 1995 में एचडी देवेगौड़ा की जनता दल ने कर्नाटक में लागू किया था। दिलचस्प बात यह है कि देवगौड़ा की जद (एस) अब बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सहयोगी है। कर्नाटक सरकार के 14 फरवरी, 1995 के एक आदेश में जिक्र किया गया जिसमें बताया गया कि यह निर्णय चिन्नप्पा रेड्डी आयोग की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है और आरक्षण को 50 प्रतिशत तक सीमित करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पालन करता है। कांग्रेस ही नहीं किसी न किसी बहाने मुस्लिम वोट बैंक पर गैरभाजपा दलों की भी खीचतान रही है। विपक्षी दलों का प्रयास रहा है कि किसी भी तरह यह अल्पसंख्यक वोट बैंक छिटकना नहीं चाहिए, यही वजह है कि साफ तौर पर धर्म के आधार पर आरक्षण को राजनीति का मोहरा बनाया गया। केरल में ओबीसी को 30 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, जिसमें मुस्लिम समुदाय को नौकरियों में 8 प्रतिशत और उच्च शिक्षा में 10 प्रतिशत कोटा प्रदान किया गया। तमिलनाडु में पिछड़े वर्ग के मुसलमानों को 3.5 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, जिसमें मुस्लिम समुदाय की 95 प्रतिशत जातियां शामिल हैं। इसी तरह बिहार में ओबीसी को 32 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, जिसमें मुस्लिम समुदाय को 4 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया है। आंध्र प्रदेश में मुस्लिम समुदाय को आरक्षण देने की कोशिश की गई थी, लेकिन कोर्ट ने इसे रद्द कर दिया। मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। पश्चिम बंगाल में कुछ मुस्लिम जातियों को शामिल किया गया लेकिन अलग से कोटा नहीं दिया गया। उत्तर प्रदेश में भी 2005 में मायावती सरकार ने 18 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण का प्रस्ताव रखा, लेकिन कोर्ट ने रोक दिया। सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन के कारण आरक्षण का प्रावधान कानूनी है।

प्लेसमेंट और पैकेज की समस्या से जूझते आज के युवा

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर केवल एक देश की समस्या ना होकर अब वैश्विक समस्या होती जा रही है। रोजगार को लेकर अब तो यह भी बेमानी हो गया है कि आपने कहां से अध्ययन किया है। हालात यह होते जा रहे हैं कि दुनिया के श्रेष्ठतक अध्ययन केन्द्रों के पासआउट युवा भी अच्छे पैकेज के रोजगार के लिए दो चार हो रहे हैं। यह कल्पना या कपोल कल्पित नहीं बल्कि वास्तविकता है कि हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, शिकागो, कोलंबिया, एमआईटी, पेन्सिलवेनिया, एमआईटी जैसे वैश्विक ख्यातनाम संस्थानों से एमबीए करें युवाओं को पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलने की संख्या में तेजी से इजाफा होता जा रहा है। ब्लूमबर्ग ने अमेरिका के सात शीर्ष संस्थानों से एमबीए का अध्ययन कर निकले विद्यार्थियों के प्लेसमेंट को लेकर अध्ययन कर रिपोर्ट में तो यही खुलासा किया है। चौकाने वाली बात यह है कि 2021 की तुलना में 2024 में यह प्रतिशत करीब करीब चार गुणा बढ़ गया है। 2021 में केवल 4 प्रतिशत पासआउट छात्र ही ऐसे थे जिन्हें पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलता था वह संख्या 2024 तक बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई है। अमेरिका के शीर्ष सात संस्थनों में कहीं कहीं तो छह गुणा तक की बढ़ोतरी देखी गई है। यह इसलिए भी चिंताजनक है कि जिन संस्थानों के अध्ययन का स्टेण्डर्ड निर्विवाद समूचे विश्व में श्रेष्ठतम रहा है और जिनकी वैश्विक पहचान है उनकी ही यह हालत है तो आम संस्थानों की क्या होगी? यह अकल्पनीय है। हो सकता है कि ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण हो पर हालात जिस तरह के सामने आ रहे हैं उससे यह साफ हो जाता है कि प्लेसमेंट की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। सवाल केवल प्लेसमेंट तक ही सीमित नहीं हैं अपितु पैकेज में भी लगातार कमी देखी जा रही है। कुछ चंद युवाओं को अच्छा पैकेज मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि कंपनियों द्वारा युवाओं को अच्छा पैकेज दिया जा रहा है। दरअसल कोरोना के बाद से प्लेसमेंट और पैकेज को लेकर हालात बहुत हद तक बदल गए हैं। यदि हम भारत की ही बात करें तो देश के शीर्ष प्रबध संस्थानों से पासआउट युवाओं को 2022 में औसत 29 लाख का पैकेज मिल रहा था तो वह 2024 आते आते 27 लाख पर आ गया है। यह सबतो देश दुनिया के शीर्ष अध्ययन संस्थानों से पासआउट युवाओं को लेकर है। सामान्य व मध्यस्तरीय संस्थानों से पासआउट युवाओं को मिलने वाला पैकेज तो बहुत ही कम होता जा रहा है। दूसरी और घर बार छोड़कर 90 घंटे तक काम करने को लेकर बहस चल रही है। एक और पिकोक कल्चर, हाईब्रीड सिस्टम और वर्क फ्राम होम से कार्यस्थल पर युवाओं को लाने की जद्दोजहद जारी है तो दूसरी और कम होते अवसर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। सरकारें लाख प्रयास करें या विपक्षी बेरोजगारी बढ़ने के लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये पर लगता है कि प्लेसमेंट, रोजगार और पैकेज का संकट किसी एक देश का नहीं अपितु वैश्विक समस्या बनती जा रही है। इससे युवाओं में कहीं ना कहीं निराशा भी आती जा रही है। हांलाकि हार्वर्ड, शिकागो आदि के संदर्भ शिक्षा के स्तर को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता पर तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि हार्वर्ड, शिकागो या इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं में अध्ययन करने वाले कितने युवा होते हैं तो दूसरी और कितने लोगों के लिए इन संस्थाओं के अध्ययन का खर्च उठाने की क्षमता होती है। जब इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं से अध्ययन प्राप्त कर निकले युवाओं के सामने ही प्लेसमेंट या पैकेज का संकट आ रहा है तो अन्य संस्थानों से अध्ययन प्राप्त युवाओं की स्थिति क्या होगी यह अपने आपमें सोचनीय हो जाती है। जहां तक हमारे देश की बात की जाए तो यह साफ हो जाता है कि हमारे यहां एक तरह से अंधी दौड़ चलती है।

अनूपपुर के भालूमाड़ा पुलिस ने गुमइंसान दस्तयाब की कार्यवाही

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय अनूपपुर श्री मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे, श्रीमान् अति. पुलिस अधीक्षक महोदय श्री इसरार मन्सूरी तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) श्रीमती आरती शाक्य के मार्ग दर्शन में ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना भालूमाड़ा की टीम द्वारा गुमइंसान क्रं. 23/2024 दिनांक 05/03/2025 को फरियादी सूचनाकर्ता सूरज घसिया पिता मानसाय घसिया उम्र 37 वर्ष निवासी ग्राम छोहरी थाना भालूमाड़ा का रिपोर्ट दर्ज कराया था कि उसकी लड़की प्रीति घसिया पिता सूरज घसिया उम्र 20 वर्ष निवासी छोहरी की दिनांक 04/03/2025 को रात्रि करीबन 10 बजे घर में बिना बताये कहीँ चली गई है की रिपोर्ट पर गुम इंसान सदर कायम कर गुमसुदा की पता तलाश की गई दौरान पता तलास गुमशुदा प्रीति घसिया को उसके घर ग्राम छोहरी से दस्तयाब कर वापस लाये तथा उसके परिजन पिता को सुपुर्द किया गया।
अहम भूमिका - थाना प्रभारी भालूमाडा निरी संजय खलको, स.उ.नि. किरण मिश्रा प्र आर 199 अखिलेश तिवारी, प्र.आर. 56 राजकुमार परस्ते।

ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

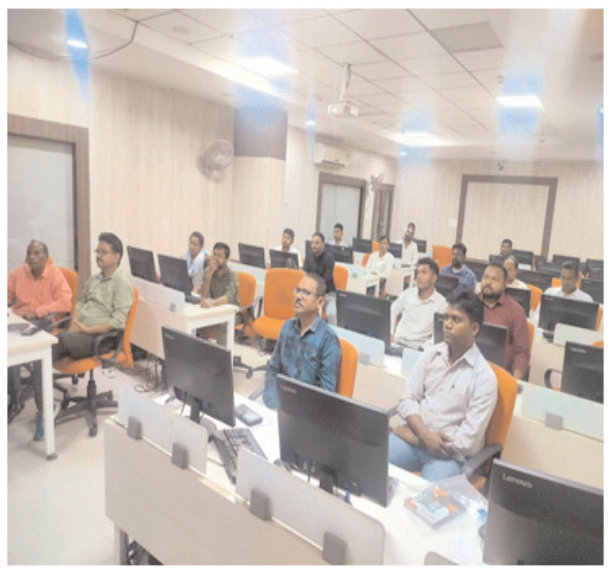

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, शासकीय कार्यालयों में 31 मार्च 2025 से ई-ऑफिस प्रणाली लागू किया जाना है। जिले में ई ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार जिला स्तर पर स्थित कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित ई-दक्ष केन्द्र में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण 05 मार्च से प्रारंभ है, जो 28 अप्रैल 2025 तक विभागवार संचालित होगा।
ई-गवर्नेंस के वरिष्ठ प्रशिक्षक श्री आनंद मोहन मिश्रा एवं प्रशिक्षक श्री नितिन कुमार तिवारी द्वारा अधिकारियों-कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली के तहत विभिन्न प्लेटफार्म के विभिन्न कार्यों तथा उनके उपयोग के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। प्रशिक्षण में ई-ऑफिस का परिचय व उपयोग, दस्तावेज तैयार करना व अनुमोदन प्रक्रिया, रिपोर्टिंग व फाइल ट्रैकिंग, सुरक्षा उपाय व गोपनीयता इत्यादि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में श्री आनंद मोहन मिश्रा ने बताया कि विभागों में कार्यप्रणाली को डिजिटल और कुशल बनाने के उद्देश्य से ई-ऑफिस प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें ई-ऑफिस प्लेटफ़ॉर्म का सही और प्रभावी उपयोग सिखाया जा रहा है, ताकि कार्यों को डिजिटल रूप से सुव्यवस्थित किया जा सकें। इससे कागजी प्रक्रिया में कमी लायी जा सकेगी। आज प्रशिक्षण के दौरान शा. आईटीआई अनूपपुर के प्राचार्य, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक एवं सहायक जनसम्पर्क अधिकारी सहित संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल का छात्राओं के लिए अलग सेक्शन बनाने का निर्णय

अभिभावकों ने किया स्वागत

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, देवबंद नगर की अग्रणी शिक्षण संस्थान स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल ने छात्राओं की शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए लड़कियों के लिए अलग सेक्शन बनाने का निर्णय लिया है। स्कूल के इस कदम का अभिभावकों ने स्वागत किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए स्कूल चेयरमेन साद सिद्दीकी ने बताया कि स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने और छात्र-छात्राओं को बेहतर और नई तकनीक से शिक्षित करने के लिए जो भी जरूरी होता है वह कदम उठाता है। इसी के चलते आगामी शैक्षिक सत्र 2025-26 में स्कूल ने कक्षा 6 से छात्राओं के लिए अलग विशेष सेक्शन बनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल छात्र एवं छात्राओं की बेहतरीन शिक्षा के साथ-साथ सुरक्षा, पढ़ाई के लिए अनुकूल माहौल के लिए हमेशा से ही आगे रहा है और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करता है। उन्होंने यह भी जानकारी दी की आने वाले वर्षों में बच्चियों के लिए एक डेडीकेटेड बिल्डिंग/फ्लोर की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्कूल में हमेशा से छात्राओं को सुरक्षा के माहौल में शिक्षित किया जाता है और संस्था छात्राओं की शिक्षा के लिए हमेशा गंभीर रहती है। चेयरमैन साद फैज़ान सिद्दीकी ने कहा कि वह शिक्षा विशेष कर बेटियों की शिक्षा को लेकर संजीदा रहे है तथा संभव अनकूल परिवेश की व्यवस्था करता रहूंगा। स्कूल के इस कदम की अभिभावकों ने प्रशंसा करते हुए स्वागत किया है।

हाईवे के 20 से अधिक गांव में पहुंची हाईवे चौकी की ट्रैफिक चौपाल पढ़ाया गया ट्रैफिक नियमों का पाठ

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की अनोखी पहल, ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन पहुँच रही हाईवे ट्रैफिक टीम

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे है । इसी उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर यातायात हाईवे चौकी टीम द्वारा प्रतिदिन किसी ना किसी गांव में ट्रैफिक चौपाल लगाकर ग्रामीण क्षेत्र के आमजन को ट्रैफिक नियामों का पाठ पढ़ाया जा रहा है । हाईवे चौकी टीम अभी तक कोलमी, रक्सा, पाली, बनगवां, पाली, दैखल, पयारी, कदम टोला जैसे 20 से अधिक गांव में पहुँच चुकी है । ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैफिक चौपाल लगाकर यातायात नियमों की जानकारी के साथ साथ हाईवे चौकी टीम द्वारा सभी गांव में संपर्क स्थापित भी किया जा रहा है जिसका उद्देश्य सड़क दुर्घटना के दौरान आस पास के ग्रामीण क्षेत्र से तत्काल सहायता प्राप्त करना भी है ।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हाईवे चौकी की ट्रैफिक चौपालकोतवाली, फुनगा, भालूमाड़ा, बिजुरी, कोतमा एवं रामनगर एवं हाईवे से लगे समस्त ग्रामीण क्षेत्र में लगायी जाएगी।

नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार द्वारा किया गया

कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, विकासखंड बलिया खेड़ी सहारनपुर के ग्राम पंचायत कपासी के अंतर्गत नवनिर्मित आंगन बाड़ी केंद्र, जिसका निर्माण ग्राम पंचायत द्वारा कराया गया है, प्रधान पिंकी के अनुरोध पर भव्य निर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का मुख्य अतिथि अनिल कुमार कैबिनेट मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा लोकार्पण जिला कार्यक्रम अधिकारी नन्द लाल प्रसाद की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं बच्चों का अन्नप्रासन भी कराया गया। अन्य अतिथि के रूप में ब्लॉक बलिया खेड़ी ग्राम के प्रधान संदीप, अजय प्रधान, अंकुर प्रधान, ब्लॉक नागल के प्रधान ब्रह्मपाल, अजय प्रधान, सोशल और एक्टिविस्ट लोगों एवं बाल विकास विभाग सीडीपीओ तथा आंगन बाड़ी कार्यकर्ताओ के अतिरिक्त सम्मानित शिक्षक गण अजीत कुमार, उमेश कुमार, योगेंद्र कुमार आदि उपस्थिति रहे।

सीडीओ की अध्यक्षता में प्रदर्शनी की तैयारियों के संबंध में हुई बैठक

प्रदेश सरकार के आठ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में लगाई जाएगी सेवा, सुरक्षा और सुशासन पर आधारित वृहत प्रदर्शनी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें उत्तर प्रदेश सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर सेवा, सुरक्षा और प्रदेश में सुशासन पर आधारित जिले में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को सकुशलपूर्वक कार्यक्रमों को पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के सफलता पूर्वक आठ वर्ष पूरे होने पर कंपनी बाग में 25, 26 एवं 27 मार्च को 06 सत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। तीन दिवसीय प्रदर्शनी में केंद्र सरकार द्वारा विगत 10 वर्ष और राज्य सरकार द्वारा विगत आठ वर्षों में जनता की सेवा, सुरक्षा और प्रदेश में सुशासन स्थापित करने के लिए किए गए प्रयासों और परिणामों से जनता को अवगत कराया जाएगा। विभिन्न उपलब्धियों पर लघु फिल्मों का प्रदर्शन कर लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। यह कार्यक्रम प्रदेश की विभिन्न उपलब्धियों को दर्शाने और जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों तक अधिकतम लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जिसमें केंद्र एवं प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं, उपलब्धियों और विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी आम जनता को दी जाएगी। जिसमें प्रदेश में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, नवाचारों एवं उपलब्धियों की झलक दिखेगी। वहीं पात्र लाभार्थियों को केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं से संतृप्त किया जाएगा। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, डीसी एनआरएलएम इंद्रजीत सिंह सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सर्राफा एसोसिएशन के चुनाव में आशीष वर्मा ने की जीत

हासिल,51 मत प्राप्त कर बने अध्यक्ष,शत-प्रतिशत हुआ मतदान

आशीष वर्मा की जीत की घोषणा करते ही सर्राफा व्यापारियों ने मार्ल्यापण कर उनका स्वागत किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, सर्राफा एसोसिएशन के हुए चुनाव में देवबंद नगर के वरिष्ठ सर्राफा व्यापारी आशीष वर्मा ने कड़े मुकाबले में 16 वोट से जीत हासिल कर अध्यक्ष पद पर अपना कब्जा जमाया, उन्हें 51 मत मिले। जबकि अजय गर्ग बिट्टा 35 मत प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रहे। सर्राफा बाजार स्थित बूडे बाबा की समाधि पर हुए चुनाव में कुल 141 वोटरों में सभी ने मतदान में हिस्सा लिया। अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे आशीष कुमार वर्मा ने 51 मत प्राप्त कर जीत हासिल की जबकि उनके प्रतिद्धंदी अजय गर्ग बिट्टा को 35 मत मिले। भाजपा नेता लक्की वर्मा 28 मत प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे। चुनाव अधिकारी हरिओम गिरधर, नीरज सिंघल, शिव कुमार वर्मा, राघव गर्ग व विजय सिंघल की निगरानी में शांतिपूर्ण मतदान हुआ। चुनाव अधिकारियों द्वारा मतगणना के बाद आशीष वर्मा की जीत की घोषणा करते ही सर्राफा व्यापारियों ने मार्ल्यापण कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर आशीष कुमार वर्मा ने कहा कि सर्राफा व्यापारियों ने उन पर जो भरोसा जताया है वे उस पर खरा उतरने का भरसक प्रयत्न करते हुए एसोसिएशन की प्रतिष्ठा बढाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही नई कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी।
इस दौरान सचिन देव वर्मा, मोहन वर्मा, शेखर वर्मा, अनिल गुप्ता, शिवकुमार वर्मा, फाखिर अंसारी, रजनीश जैन, सुभाष वर्मा, राहुल वर्मा,अनूप वर्मा, प्रवीण वर्मा, बिट्टू वर्मा, उदय जाधव आदि सर्राफा व्यापारी मौजूद रहे।

ग्राम बड़गांव बना भु - माफियाओ का गढ़

नर्मदा किनारे शासकीय जमीनों पर जेसीबी मशीन से हो रहा कब्जा

कसरावद क्षेत्र ग्राम पंचायत बड़गांव में नर्मदा पट्टी में इन दोनों शासन की सरकारी बेंस कीमती जमीनों पर जेसीबी मशीन से हो रहा अतिक्रमण पहले की जाती है खेती फिर तहसील से करवाया जाता है दंड और फिर इसके बाद होता है रेत का अवैध उत्खनन। ऐसा ही ग्राम पंचायत बड़गांव में कई एकड़ सरकारी भूमि पर कब्जा किया गया है। तो किसी ने की खेती तो कोई कर रहा है रेत का अवैध उत्खनन शासन की बेस किमती भूमि से ग्रामीण कर लाखों रुपयो की कमाई । जबकि तहसील तरफ से हर ग्राम पंचायत क्षेत्र में पटवारी नियुक्त किया गया है।उसके बाद भी शासन को करोड़ों रुपए का चूना लगा रहे। पूर्व में भी कसरावद तहसील की ओर से ग्राम पंचायत बड़गांव के ग्रामीण पर शासन की शासकीय भूमि पर किए गए कब्जे को लेकर कार्यवाही की गई थी। लेकिन 8 से 10 माह बीत जाने के बाद भी जमीन अब तक अवैध कब्जा धारी से मुक्त नहीं हो पाई है। जिसको लेकर ग्रामीणों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। और शासन की शासकीय भूमि पर कब्जा कर बन रहे भू माफिया।इन ग्रामीण भू माफियाओं पर शासन प्रशासन की कोई कार्यवाही नहीं होने से वहां के ग्रामीणों के होसले हो रहे बुलंद और आए दिन हो रहा शासन की बेस कीमती भूमि पर अतिक्रमण । शासकीय भूमि के संबंध में पत्रकारों ने तहसीलदार से फोन पर चर्चा की गई तो तहसीलदार द्वारा बताया गया कि अभी पटवारी ग्राम पंचायत सायता में सीमांकन करने गए हैं जिसके बाद ग्राम पंचायत बड़गांव का थी मौका निरीक्षण किया और आप भी पटवारी से चर्चा कर लीजिए इसके बाद पटवारी को भी फोन पर चर्चा की गई। पटवारी द्वारा फोन पर लोकेशन जानकारी ली गई। और कहां गया कि अभी हम सायता पंचायत में सीमांकन कर रहे हैं। उसे हम बाद में देख लेंगे । जबकि वह माफियाओं के द्वारा शासकीय भूमि पर जेसीबी मशीन के द्वारा जमीन का लेवल किया जा रहा था। पूर्व में भी भूमाफियाओं को तहसीलदार द्वारा नोटिस दिए गए गए थे। जिस पर दंड करने के बाद भी प्रशासन की बेस कीमती शासकीय भूमि से आज तक कब्जाधारी भू माफियाओं का कब्जा नहीं हटा है। जिसके जवाब में ग्रामीणों ने नर्मदा किनारे की सरकारी भूमि के बड़े हिस्से में अतिक्रमण बड़ी तेजी से कर रहे हैं। सरकारी भूमि पर ग्रामीणों की दबंगई है।

गर्मी में बीमार होने से कैसे खुद को बचाए, डायटीशियन डॉक्टर होमेश मंडावलिया (धाकड़) ने शरीर का हाइड्रेट होना जरूरी बताया

उज्जैन

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन की वजह से चक्कर आना, सिरदर्द, ऊर्जा की कमी, भ्रम और यहां तक कि बेहोशी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डाइट एक्सपर्ट डॉक्टर होमेश मंडावलिया ने बताया गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सिर्फ पानी काफी नहीं है। आपके खाने में कार्ब्स, विटामिन और मिनरल वाली चीजें भी उतनी ही जरूरी हैं। कुछ चीजें हैं जिनका गर्मियों में सेवन करने से शरीर को ठंडा रखा जा सकता है और किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सकता है। जैसे की हल्का भोजन करे !**गर्मी के दिनों में हल्का भोजन करें.** दरअसल, जब आप हेवी खाना खाते हैं, तो इसे पचाने में बहुत समय लगता है. आप चाहें तो थोड़ा-थोड़ा करके बार-बार भी खा सकते हैं. बहुत ज़्यादा मेदे वाले और फ़ैट वाले फूड ना खाये. ऐसे में इस बात का ध्यान रखें कि हल्का खाना ही डाइट में शामिल करें.

नारियल पानी, नींबू पानी , जूस और लस्सी का सेवन करे ऐसे ताज़े फल और सब्ज़ियों का सेवन अधिक से अधिक करें, जिनमें पानी की मात्रा बहुत अधिक होती है. जैसे नारियल पानी, संतरा , तरबूज़ का सेवन अधिक से अधिक करें, शिकंजी पीएं. निंबुपानी, जूस और लस्सी का भी सेवन कर सकते हैं. इन्हे डाइट में शामिल करने से बॉडी हाइड्रेट रहती है.

धूप में बाहर ना निकले बाहरी गतिविधियों को ठंडे समय में ही करने की कोशिश करें. कड़ी धूप से बचें और शरीर को सूरज की खतरनाक किरणों से बचाकर रखें. ताकि शरीर में पानी की कमी ना हो और सनस्ट्रोक से बच सके

खूब पानी पिए गर्मी में धूप और पसीने की वजह से डिहाइड्रेशन का ख़तरा बहुत अधिक होता है, जिससे पाचन जैसी समस्याएं भी होने लगती है. इसी के साथ ध्यान रखें कि पर्याप्त पानी पिएं और ख़ुद को हाइड्रेट रखें, ताकि शरीर में जाइलेक्ट्रोलाइट्स (सोडियम वि पोटेशियम) की कमी ना हो

शराब ना पिये शराब और कॉफी शरीर को डिहाइड्रेशन कर सकते हैं, इन दोनों ड्रिंक का सेवन करने से बचे. इसकी जगह गर्मी के मौसम में सादे पानी के साथ फलों के जूस का सेवन कर सकते हैं. शराब और कैफीन की बजाय नींबू पानी का सेवन करे.

स्ट्रीट फूड से दूरी स्ट्रीट फूड दूषित हो सकता है. इसीलिए गर्मी के दिनों में ऐसे खाने से बचें. इस बात का ध्यान रखें, ताकि किसी भी प्रकार का बैक्टीरियल इंफेक्शन और एलर्जी न हो. इसीलिए स्ट्रीट फूड को डाइट से बाहर ही रखें.

यूवी सनग्लासेस का इस्तेमाल करें कड़ी धूप में हमेशा सनग्लासेस पहनकर ही बाहर निकलें, क्योंकि यूवी रे आंखों को नुकसान पहुंचाती हैं और धूप का सीधा असर आंखों में होता है !

कमिश्नर श्री तिवारी ने विश्व वानिकी दिवस पर पौधारोपण किया

हरदा नर्मदापुरम संभाग के आयुक्त श्री के जी तिवारी ने शुक्रवार को विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर एसडीएम कार्यालय हरदा के परिसर में जामुन का पौधा लगाया। इस दौरान कलेक्टर श्री आदित्य सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव चौकसे ने आम का पौधा लगाया। कार्यक्रम में अपर आयुक्त आर पी एस जादौन, वन मंडल अधिकारी श्री अनिल चोपड़ा एवं वन मंडल अधिकारी उत्पादन श्री नरेंद्र पंडवा के अलावा एसडीम हरदा श्री कुमार शानू देवड़िया भी मौजूद थे।

प्रशासनिक इकाई के पुनर्गठन में नागरिकों की सहूलियत और सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए- सदस्य श्री एसएन मिश्रा

प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सदस्य द्वय पूर्व आईएएस श्री एसएन मिश्रा, श्री मुकेश शुक्ला और सचिव श्री अक्षय कुमार सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में आयोग द्वारा प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों एवं जन अपेक्षाओं के आधार पर और अधिक जनोन्मुखी एवं सुलभ प्रशासन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तहसील, उपखण्ड प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के संबंध में मार्गदर्शी सिद्धांतों से अवगत कराया। साथ ही आयोग के उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली से संबंधित जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी। इस बैठक में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, एसमस्त एसडीएम, नगरीय निकायों के सीएमओ, जनपदों के सीईओ सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में सदस्य श्री मिश्रा ने बताया कि आम जनता की जरूरतों के हिसाब से जिला, तहसील एवं विकासखंड की सीमाओं में परिवर्तन का खांका तैयार होगा। भौगोलिक स्थिति,सांस्कृतिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए जनता को आसानी से प्रशासनिक सेवाएं देने के लिए वर्तमान जिला, तहसील और जनपद, विकासखंडों पर सुझाव लिए जाएंगे। उन्होने निर्देश दिये कि पुनर्गठन की प्रक्रिया में नागरिकों की सहुलियत और सुविधाओं का विशेष ध्यान रख कर जनप्रतिनिधियों एवं जनता से फीडबैक लेकर आपस में समन्वय स्थापित कर प्रस्ताव तैयार किए जाये। बैठक में सचिव श्री सिंह ने निर्देश दिये कि ग्राम स्तर पंचायत स्तर, राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर, तहसील स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक करें। इसमें किसी भी प्रशासनिक इकाई का कोई युक्ति युक्तिकरण, विलोपन, नवीन सृजन किया जाना है, तो उसका उचित प्रस्ताव तैयार कर प्रश्नावली को अद्यतन कर पृथक से शामिल कर कलेक्टर को भिजवायें। जिले की समस्त तहसीलों एवं अनुविभागों की बैठक के उपरांत कलेक्टर अपने स्तर पर अधीनस्थों से प्राप्त प्रस्ताव पर युक्ति युक्तिकरण पर वृहद चर्चा कर उस प्रस्ताव को अंतिम रूप से तैयार कर एवं प्रश्नावली को अद्यतन कर आयोग को भेजेंगे। जिला स्तर पर सभी विभागों के जिलाधिकारी से भी चर्चा की जाए ताकि उनके विभागों की कार्य प्रणाली का भी मत आ सके। कलेक्टर समीक्षा उपरांत जिले का एक अंतिम प्रस्ताव बनाकर प्रश्नावली को अद्यतन करेंगे। आयोग के सदस्य श्री शुक्ला ने कहा कि शासन की मंशा है कि जनोन्मुखी प्रशासन हो, सुलभ हो, शासन द्वारा जिलों में क्रियान्वित योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक सुगमता से पहुंचे। नागरिकों को समय पर सुविधाओं व योजनाओं का लाभ मिले यह हम सबका नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि तहसील या उपखण्ड बनाने से पहले उनकी भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या घनत्व, बुनियादी सुविधाएं और प्रशासनिक जरूरत को प्राथमिकता दी जाएगी। इस कार्य में समन्वय लिए जिला स्तर पर एक नोडल अधिकारी भी नियुक्त किया जायें। उन्होंने कहा कि पुनर्गठन प्रक्रिया में जो भी प्रस्ताव भेजे जाएं वह आम नागरिकों की आवश्यकता के अनुरूप ही तैयार हों। कलेक्टर श्रीमती पटले ने आश्वस्त किया कि सभी आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर आयोग को प्रेषित किये जायेंगे और जिले के नागरिकों की सहूलियत और सुविधा का ध्यान रखा जायेगा।

संभागायुक्त श्री तिवारी ने कलेक्ट्रेट का निरीक्षण

हरदा नर्मदापुरम् संभाग के आयुक्त श्री के.जी. तिवारी ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट हरदा का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने कलेक्ट्रेट की विभिन्न शाखाओं के अभिलेखों का परीक्षण किया और आवश्यक सुधार के निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिये। इस दौरान अपर आयुक्त श्री आर.पी.एस. जादौन, कलेक्टर श्री आदित्य सिंह, संयुक्त आयुक्त श्री जी.सी. दौहर एवं संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय भी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर श्री तिवारी ने केशबुक, भण्डार पंजी, कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाओं का परीक्षण किया। उन्होने कार्यालय अधीक्षक को निर्देश दिये कि सभी पंजियों को अपडेट रखा जाए। उन्होने कहा कि कर्मचारियों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ समयमान वेतन निर्धारित समय पर स्वीकृत कर भुगतान किये जायें।

तीन कर्मचारियों के विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी के निर्देश कमिश्नर श्री तिवारी ने स्थापना शाखा के लिपिक को निर्देश दिये कि सभी कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाओं में समय-समय पर आवश्यक प्रविष्टि कर अपडेट करते रहें। उन्होने कर्मचारियों को डुप्लिकेट सेवा पुस्तिका व डुप्लिकेट जीपीएफ पासबुक उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिये। कमिश्नर श्री तिवारी ने भू-अभिलेख शाखा का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शासकीय कार्य में लापरवाही पाये जाने पर उन्होंने भू-अभिलेख शाखा में पदस्थ सुश्री ज्योति परते, सुश्री श्रद्धा गोस्वामी एवं श्री शिवकुमार मण्डलोई के विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान उन्होने निर्देश दिये कि फसल कटाई प्रयोग निर्धारित समयावधि में पूर्ण करें। कमिश्नर श्री तिवारी ने कलेक्टर न्यायालय का भी निरीक्षण किया।

सुख सम्रद्धि व आरोग्य की कामना के साथ हुआ शीतला माता पूजन,,बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंची किया पूजन

खेतिया,,,श्री शीतला सप्तमी के अवसर पर खेतिया के अति प्राचीन श्री हनुमानजी मंदिर परिसर में स्थापित शीतलामाता मंदिर पर आज सुबह 4 बजे से ही महिलाओं बच्चों का पूजा हेतु आना प्रारम्भ हो गया,,सुबह होते होते भारी भीड़ हो गयी,महिलाओं ने बारी बारी से पूजा कर सुख सम्रद्धि व आरोग्य की कामना की शीतला सप्तमी पूजन की प्रासंगिकता स्कन्द पुराण में स्पष्ट रूप से वर्णित है।शास्त्रों व हिन्दू पौराणिक कथाओं के अनुसार देवी शीतला माता देवी दुर्गा ओर माँ पार्वती का ही अवतार है।देवी शीतला प्रकृति की उपचार शक्ति का प्रतिक है,इस शुभ पूजन पर महिलाएं व बच्चे एक साथ पूजन कर छोटी माता व चेचक जैसी बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए प्रार्थना करते हुए परिवार की सुख सम्रद्धि की कामना करते है। शीतला शब्द का अर्थ है शीतलता या ठंडा,,अत: आज ठंडे (बासी भोजन) से ही भोग लगाया जाता,धूप दीपक भी नही लगाए जाते। श्री शीतला सप्तमी को लेकर शहर के अनेको घरों में कल विशेष भोजन बनाया गया जिसे ठंडा कर आज माताजी का पूजन किया,,आज सभी परिजन ठंडा ही खाएंगे। आज सुबह से ही महिलाओं के आने का क्रम प्रारम्भ हुआ धीरे धीरे भीड़ बढ़ी,महिलाओं ने प्रतिक्षा कर पूजन किया।2/3 दिनों से महिलाओं के पूजन हेतु आने का क्रम चल रहा,शीतला सप्तमी के अवसर पर आज श्री हनुमान मंदिर पर स्थापित माता शीतला के पूजन हेतु श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए नप खेतिया द्वारा मार्ग की सफाई कराई गई,पुलिस व्यवस्था बनी रही वही मंदिर प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्था की गई,,

श्रीराम जन्मोत्सव समिति की बैठक सम्पन्न

भव्य शोभायात्रा की तैयारियां जोरों पर

खरगोन- श्रीराम जन्मोत्सव समिति गौ रक्षक तालाब चौक द्वारा 6 अप्रेल श्री रामनवमी पर निकलने वाली परंपरागत भव्य शोभायात्रा को लेकर आवश्यक बैठक 18 मार्च मंगलवार को गौ माता सेवा संस्थान गांधी नगर में सम्पन्न हुई जिसमें सर्व सम्मति से पुन: अनिल गुप्ता को समिति अध्यक्ष मनोनीत किया गया।साथ ही बैठक में शोभायात्रा की तैयारियों ,यात्रा मार्ग,सुरक्षा व्यवस्था, चलित झांकी,धार्मिक सामाजिक संगठनों द्वारा लगाए जाने वाले सेवा स्टाल व स्वागत मंच को लेकर विस्तृत चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए ।समिति अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने बताया कि श्री राम नवमी पर निकलने वाली भव्य शोभायात्रा अपने पारंपरिक स्वरूप में धूमधाम व हर्षोल्लास से निकलेगी जिसके लिए रामभक्तों द्वारा तैयारियां शुरू कर दी है ।शोभायात्रा प्रभारी सतीश राठौर ने बताया कि श्रीराम जन्मोत्सव पर निकलने वाली भव्य शोभायात्रा भोला चौक से प्रारंभ होकर अपने पारंपरिक मार्ग तालाब चौक,काला देवल से श्री गणेश मंदिर होते हुए सराफा बाजार से गुरुनानक चौराहा श्रीकृष्ण टाकीज से बस स्टैंड होते हुए श्रीराम मंदिर धर्मशाला पहुंचेगी जहां प्रभु श्रीराम की महाआरती के पश्चात यात्रा विराम होगी ।सतीश राठौड़ ने बताया कि यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था व अन्य विषयों को लेकर प्रशासन व जनप्रतिनिधियों को भी अवगत कराया है ।यात्रा व्यवस्था प्रभारी बंटी कुशवाह ,विशाल ठाकुर ने बताया यात्रा अपने पारंपरिक स्वरुप में शासन प्रशासन के दिशा निर्देश में शांति व उत्साह से निकाली जाएगी ।जिसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गयी है ।हरिओम यादव ,सुमित चंदेल ने कहा के यात्रा में अभी तक 10 से 12 झांकी ,100 के करीब ढोल, ताशे, नगाड़े,अखाड़े व यात्रा मार्ग पर 30 के करीब सेवा स्टाल व स्वागत मंच लगाने वाले संगठनों ने सहमति दी है । श्री राम जन्मोत्सव समिति सदस्य गब्बर यादव,गौतम खटीक,सचिन खटीक,सुमित कर्मा कोमल माली,ऋषिराज यादव ,राजू चन्द्रे, श्याम गुप्ता,मनोज कर्मा द्वारा कल यात्रा मार्ग पर भगवा ध्वज ,बेनर ,पोस्टर ,वाहनों पर स्टिकर लगा कर समस्त सनातन धर्मप्रेमियों से भव्य श्री राम जन्मोत्सव शोभा यात्रा में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित कर रहे है।

विस्थापित ग्रामों के किसानों के गेहूं उपार्जन पंजीयन हेतु विशेष शिविर आयोजित किये जाए

नर्मदापुरम

अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही की जाए

सभी अनुविभाग में निर्बाध पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित की जाए

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक संपन्न

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि विस्थापित ग्रामों के किसानों के गेहूं उपार्जन पंजीयन की प्रक्रिया शासन के निर्देशानुसार शीघ्रता से पूर्ण कराई जाए। इसके लिए आगामी चार दिवसों में विशेष शिविर आयोजित कर प्रतिदिन पंजीयन की कार्रवाई पूर्ण कर डीएसओ को प्रेषित किये जाये, ताकि किसानों को समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय का लाभ मिल सके। उक्त निर्देश कलेक्टर सोनिया मीना ने शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक के दौरान दिए।कलेक्टर ने राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (RCMS) के माध्यम से नामांतरण, नक्शा तरमीम, आरओआर लिंकिंग आदि मामलों की समीक्षा की। उन्होंने तहसीलदारों को निर्देशित किया कि पटवारियों द्वारा की गई प्रविष्टियाँ यदि (RCMS) पोर्टल पर दिखाई नहीं देती हैं, तो वे संभागीय सलाहकार से समन्वय कर तकनीकी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने तहसीलवार समस्त न्यायालयों में पंजीकृत एवं लंबित प्रकरणों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार अपने न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी न्यायालय का निराकरण प्रतिशत 95त्न से कम न हो। इसके अतिरिक्त, कलेक्टर ने तहसीलवार दांडिक एवं राजस्व के न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि आगामी 31 मार्च तक 6 माह एवं 1 वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए नियमित मॉनिटरिंग एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने बैठक के दौरान बंटवारा एवं सीमांकन से संबंधित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि राज्य स्तर के आधार पर सर्वाधिक निराकरण प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित कर, उसके अनुरूप बंटवारे के प्रकरणों का समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीमांकन के कुल लंबित प्रकरणों का समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने नजूल अधिकारी, नर्मदापुरम को भी उनके न्यायालय में लंबित प्रकरणों के निराकरण में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए सक्रियता से कार्य करें। कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में दांडिक प्रकरणों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे राजस्व न्यायालय प्रबंधन प्रणाली (RCMS) पोर्टल का उपयोग एक प्रभावी उपकरण के रूप में करें, जिससे प्रकरणों के त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण में सहायता मिले। कलेक्टर सुश्री मीना ने सभी राजस्व अधिकारियों को समय-समय पर दांडिक कार्यवाहियां करने के निर्देश दिए, ताकि कानून एवं शांति व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे। कलेक्टर निर्देश दिए की स्वामित्व योजना के अंतर्गत नक्शे प्राप्त होने के उपरांत शीघ्र उन्हें प्रकाशन स्तर तक प्रेषित किया जाना सुनिश्चित करें। जिन नक्शा का प्रथम प्रकाशन एवं द्वितीय प्रकाशन हो चुका है उनके शीघ्र अंतिम प्रकाशन करवाया जाए। तथा दर्ज प्रकरणों को भी ग्राउंड ट्रुथिंग के बाद एस ओ आई के लिए भेजे जाएं। उन्होंने बनखेड़ी एवं माखन नगर की कम प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित एसडीएम को निर्देश दिए की दोनों तहसीलों की समीक्षा कर प्रगति प्रतिशत को बढ़ाया जाए। कलेक्टर ने एसडीएम नर्मदा पुरम को निर्देश दिए की अनुविभाग के अंतर्गत आने वाली तहसीलों का नियमित रूप से रिव्यू करें। साथ ही जियो टैगिंग के लिए कोई भी केस पेंडिंग ना रहे यह सुनिश्चित किया जाए तथा एसडीएम एवं तहसीलदार स्वयं ऐसे प्रकरणों की समीक्षा करें। इसी प्रकार कलेक्टर ने फार्मर रजिस्ट्री में कम प्रगति वाली तहसीलों को निर्देशित किया है कि अधिक से अधिक फार्मर रजिस्ट्रेशन किया जाए जिससे किसानों को योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके। कलेक्टर ने वित्तीय वर्ष 2024 25 की राजस वसूली की भी समीक्षा की। साथ ही उन्होंने राहत के प्रकरणों में हितग्राहियों को शीघ्र मुआवजा राशि प्रदाय किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व विभाग की सीपीग्राम के तहत 200 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों के शीघ्र समाधान के भी निर्देश दिए। भू अर्जन के प्रकरणों की बिंदूवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्दिशित किया कि जिन प्रकरणों में अध्ययन स्थिति की जानकारी अप्राप्त है उन प्रकरणों का नियमित रूप से फॉलो अप किया जाए। साथ ही ऐसे मामले जिनमें प्रकरण प्रेषित करने के उपरांत अग्रिम कार्यवाही लंबित है उन मामलों में आवश्यक खानापूर्ति की जाकर प्रकरणों का निराकरण किया जाए। राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर ने राजस्व विभाग से संबंधित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों तथा आयोग के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई निरंतर रूप से जारी रखी जाए। नगरीय क्षेत्र में स्थानो को चिन्हित कर वहां से पक्के एवं कच्चे अतिक्रमण को हटाया जाए। नगरी क्षेत्र में नगर पालिका के साथ साझा कार्यवाही सुनिश्चित करें। इसी प्रकार गौशाला की चरनोई भूमि भी शीघ्र अतिक्रमण मुक्त की जाए एवं पूरे जिले में पेयजल की उपलब्धता के लिए सभी आवश्यक कार्यवाहियां भी समय-समय पर की जाती रहे। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर श्री डीके सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री अनिल जैन, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेन्द्र रावत एवं समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तथा तहसीलदार उपस्थित रहे।

नीति-आयोग की टीम द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों का किया दौरा

गुना नीति आयोग और रॉकेट लर्निंग संस्था द्वारा चल रहे नीति - आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली नीति आयोग से वैदिका शेखर द्वारा विगत दिवस आंगनवाड़ी केंद्रों का दौरा किया गया। इस विजिट के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र बजरंगगढ़ में बच्चों ने शाला-पूर्व गतिविधियां प्रस्तुत की एवं वैदिका ने बच्चों के माता-पिता और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से भेट कर जिले में शाला पूर्व शिक्षा और पोषण की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास में आने वाली जमीनी चुनौतियों पर चर्चा की। विजिट के उपरांत कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल एवं जिला परियोजना अधिकारी श्री दिनेश चंदेल से बैठक आयोजित कर जिले में आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से पोषण के साथ पढ़ाई के स्तर को बढ़ावा देने के लिए नीति आयोग एवं रॉकेट लर्निंग संस्था के दौरा मिशन नीव के अंतर्गत आंगनवाड़ी प्रशिक्षण कार्यक्रम की महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। बैठक के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बॉल विकास श्री दिनेश कुमार चंदेल, परियोजना अधिकारी सुश्री दीपा शर्मा, रॉकेट लर्निंग संस्था के प्रोग्राम मैनेजर खुशाग्र शर्मा, जिला समन्वयक ऋषभ रघुवंशी एवं अनुराग शर्मा उपस्थित थे।

महिलाएं जागरूक बने और अपने स्वास्थ्य का नियमित परीक्षण कराएं- कलेक्टर सुश्री बाफना

महिला शासकीय सेवको के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

शाजापुर कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की पहल पर आज असंचारी रोग क्लिनिक निरोगी काया अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के सौजन्य से शाजापुर जिला मुख्यालय के गांधीहॉल में महिला शासकीय सेवकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में महिला स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां विषय विशेषज्ञ चिकित्सको द्वारा दी गई। शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के लिये श्री अरबिन्दो हॉस्पिटल इंदौर द्वारा सुसज्जित तीन परीक्षण वाहनों, दो महिला रोग विशेषज्ञ, 04 दंत रोग विशेषज्ञ, एक मानसिक रोग विशेषज्ञ, एक डाईटिशियन, एक मेमोग्राफी टेक्निशियन एवं 06 अन्य जांचो के विशेषज्ञ तथा दो प्रशासनिक अधिकारियों की सेवाएं प्रदान की गई थी। वहीं जिला चिकित्सालय शाजापुर से 04 विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा भी सेवाएं दी गई। साथ ही शिविर में विषय विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से व्याख्यान दिये गये। कार्यक्रम में कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने संबोधित करते हुए कहा कि ज्यादातर महिलाएं कामकाजी होने से अपने स्वास्थ्य के प्रति ध्यान नहीं दे पाती हैं। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। महिलाएं भावनात्मक रूप से घर के काम-काज और बच्चों के लालन- पोषण से जुड़ी होती है, साथ ही नौकरीपेशा होने से उन पर दोहरी जिम्मेदारी रहती है। इस कारण वह अपने स्वास्थ्य के प्रति ध्यान नहीं देते हुए छोटी-छोटी बीमारियों एवं उनके लक्षणों के प्रति लापरवाह बनी रहती है। यही छोटी-छोटी बीमारियों एवं लक्षण आगे चलकर बड़ी बीमारी बन जाती है। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहकर समय-समय पर अपना चाहिए। महिलाए अपने पोषण के प्रति जागरूक बने, खानपान का विशेष ध्यान रखें, किसी भी बीमारी के थोड़े से भी लक्षण दिखने पर तत्काल जांच कराएं। आज का यह शिविर महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिये रखा गया है, महिलाएं इसका लाभ लें। विषय विशेषज्ञ के रूप में नोबल हॉस्पिटल शाजापुर की डॉ. सपना जैन ने महिलाओं में आम केंसर एवं जागरूकता विषय पर व्याख्यान देते हुए विस्तार से जानकारी दी। डॉ. जैन ने सर्वाइकल केंसर, एचपीवी वेक्सिनेशन, जागरूकता के बारे में बताया। व्यास नर्सिंग होम की डॉ. स्मृति ठाकुर ने महिलाओं के लिए जीवन शैली विकार एवं नियमित स्वास्थ्य जांच, पॉलिसाईस्टिक ओवेरियन सिन्ड्रोम सहित अन्य बीमारियों के प्रति महिलाओं को जागरूक करते हुए दिन प्रतिदिन की जीवनचर्या व्यवस्थित रखने पर व्याख्यान दिया। जिला स्वास्थ्य महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ. सुनिता परमार ने व्याख्यान देते हुए कहा कि पुरूषों की तुलना में महिलाओं को कुछ पोषक तत्वों की ज्यादा आवश्यकता होती है। उम्र के साथ महिलाओं में हार्मोनल बदलाव आते हैं, महिलाएं अपने खान-पान में पोषक तत्वों को बढ़ाए। कृषि विज्ञान केन्द्र की वैज्ञानिक डॉ. गायत्री वर्मा ने कृषि के द्वारा पोषण सुरक्षा विषय पर व्याख्यान देते हुए सुरक्षा जागरूकता के बारे में बताया। जिला चिकित्सा की डॉ. प्रशस्ति मेहता ने मासिक धर्म चक्र एवं इसके सामान्य विकार पर व्याख्यान दिया। कलेक्टर सुश्री बाफना ने श्री अरबिन्दो हॉस्पिटल इन्दौर द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के लिए भेजे गए सुसज्जित वाहनों में की जा रही जाँचों तथा शिविर में किये जा रहे पंजीयन एवं स्वास्थ्य परीक्षण का अवलोकन भी किया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। शिविर में उपस्थित हुए चिकित्सकों का पुष्पहार से स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर, अनुविभागीय अधिकारी सुश्री मनीषा वास्कले, डिप्टी कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी जिला चिकित्सालय डॉ राजकुमार हलदर, सीएमएचओ डॉ. अजय सात्विया, डीएचओ डॉ. तेजपालसिंह जादौन, जिला चिकित्सालय सहायक प्रबंधक सुश्री नेहा सांवले, महिला एवं बाल विकास अधिकारी सुश्री नीलम चौहान, सीडीपीओ सुश्री नेहा चौहान सहित चिकित्सकगण एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

शिविर में 385 स्वास्थ्य परीक्षण कामकाजी महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए आज जिला मुख्यालय पर लगाए गए शिविर में कुल 385 महिलाओं द्वारा पंजीकरण कराया गया था। डीएचओ डॉ. तेजपाल सिंह ने बताया कि पंजीकृत महिलाओं में से 150 महिलाओं की केंसर स्क्रिनिंग श्री अरबिन्दो हॉस्पिटल इन्दौर के दल द्वारा की गई। जिला चिकित्सालय शाजापुर द्वारा 85 महिलाओं की खून की जाँच तथा 180 महिलाओं की रक्तचाप, मधुमेह की जाँचे की गई।

कलेक्टर ने एसडीएम और तहसील कार्यालय नटेरन का निरीक्षण किया

विदिशा

कलेक्टर ने राजस्व वसूली फार्मर आईडी और सीएम हेल्पलाइन पर विशेष जोर दिया

नटेरन में निर्माणाधीन नवीन एसडीएम कार्यालय का भी निरीक्षण किया गया

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने आज नटेरन क्षेत्र में खरीदी केन्द्रों का भ्रमण कर निरीक्षण करने के पश्चात एसडीएम कार्यालय और तहसील कार्यालय नटेरन में संपादित किये जा रहे कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने कार्यालय परिसर, व्हीसी रूम, न्यायालय तहसीलदार नटेरन के राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति, राजस्व वसूली, फार्मर आईडी और सीएम हेल्पलाईन के लंबित प्रकरणों के निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही साथ उन्होंने यहां नवीन निर्माणाधीन अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय अनुभाग नटेरन का भी निरीक्षण किया और अद्यतन स्थिति की जानकारी ली उनके द्वारा निर्देशित किया गया है कि शीघ्र ही निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाए। कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह ने राजस्व वसूली के कार्यों को अगले 10 दिवस तक अभियान के रूप में क्रियान्वित करने और फार्मर आईडी शत-प्रतिशत पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। राजस्व प्रकरणों के संबंध में निर्देशित किया गया कि कोई भी प्रकरण 03 से 06 माह की अवधि में लंबित ना रहे का विशेष ध्यान रखें। कलेक्टर श्री सिंह ने प्रवाचक तहसीलदार नटेरन को निर्देशित किया कि पूर्व के निराकृत प्रकरणो को शीघ्र ही जिला अभिलेखागार में जमा किये जाए। कोई भी प्रकरण ऑफलाईन दर्ज नहीं होना चाहिए। कानूनगो शाखा, नायब नाजिर शाखा में वर्तमान में किये जा रहे कार्यो की जानकारी ली गई। साथ ही वर्तमान में निर्वाचन से संबधित कार्यों की जानकारी ली गई और निर्देशित दिए हैं कि ईआरओ नेट पर जो भी फार्म 6, 7, 8 प्राप्त हो रहे हैं उन्हें प्रतिदिन निराकृत किया जाए एवं ईआरओ नेट पर डुप्लीकेट ईपिक को प्रतिदिन फार्म-8 जनरेट कर ई-रोल अपडेट किया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने नटेरन तहसील व एसडीएम कार्यालय के निरीक्षण के समय यहां स्थापित लोकसेवा केन्द्र एवं आधार सेंटर का भी निरीक्षण किया और संचालक को निर्देशित किया गया कि आमजनों को आधार से संबंधित किसी भी प्रकार के कार्यों में किसी प्रकार की समस्या ना हो इसका विशेष ध्यान रखें। कलेक्टर द्वारा आधार कार्ड से संबंधित कार्यों के लिए आधार सेंटर पहुंचे ग्रामीण नागरिकों से संवाद भी किया गया है।

अलीराजपुर में आनंद ,उत्साह और पवित्रता का शीतला सप्तमी का पर्व आपस में मिलजुल कर मनाया

राठौर समाज का ठंडी सातम का पूरे क्षेत्र में विख्यात यह पर्व

अलीराजपुर प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी पवित्रता सुख शांति और सौभाग्य देने वाली प्रात: परम वंदनीय जगत जननी मां शीतला का पूजन ब्रह्म मुहूर्त में रात्रि 3:00 बजे के आसपास से ही प्रारंभ हो गया मध्य रात्रि से ही भक्तों के द्वारा माता की पूजा आराधना का क्रम चालू हो गया जो की सुबह 9:10 बजे तक हजारों भक्तों के द्वारा शांति से माता का पूजन किया जा चुका था यह क्रम दोपहर को 2:00 बजे तक निरंतर चलता रहा उसके पश्चात भी भक्तगण शाम तक माता के दरबार में शांति प्राप्त करने के लिए और जीवन में हमेशा पवित्रता बनी रहे इसके लिए वंदन करने के लिए आते रहे अनेक समाज के भक्तों द्वारा मंदिर परिसर में जलपान, और माता बहनों के बैठने के लिए उत्तम व्यवस्था की गई पूरे कार्यक्रम स्थल पर जिला प्रशासन के द्वारा बहुत ही सुंदर और सुचारू व्यवस्था रही अलीराजपुर जिला प्रशासन के द्वारा हमेशा ही जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सुचारू रूप से सहयोग प्रदान किया जाता है प्रशासन की जागरूकता के कारण अलीराजपुर में सौहार्दपूर्ण रूप से हर समाज के व्यक्तियों के द्वारा अपने-अपने धार्मिक कार्यक्रमों को मनाया जा रहा है अलीराजपुर जिला प्रशासन की व्यवस्था मध्य प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहती है

अलीराजपुर राठौर समाज की ठंडी सातम के नाम से प्रख्यात शीतला सप्तमी अलीराजपुर राठौर समाज के द्वारा शीतला सप्तमी का यह पर्व एक अलग ही अंदाज और आनंद के साथ मनाया जाता है अलीराजपुर क्षेत्र की यह विशेषता है आज के दिन राठौर समाज के द्वारा अपने इष्ट मित्रों रिश्तेदारों के यहां पर बच्चे बड़े बुजुर्ग ईस्ट मित्र सभी एक साथ टोली बनाकर के घर घर जाकर माताजी का ठंडा प्रसाद ग्रहण करते है और जीवन में शुद्धता स्वच्छता के साथ जीवन जीने का संकल्प लेते हैऔर माता के प्रति अटूट श्रद्धा के कारण कई दशकों /वर्षों से यह पर्व इसी रूप में परंपरागत तरीके से ठंडी सातम का मनाया जा रहा है शीतला सप्तमी का यह पर्व दिमाग ठंडा, पेर गरम, और पेट नरम ,स्वस्थ और सुखी, संपन्न,जीवन के लिए अनिवार्य नियम का यह संदेश देता है छल, कपट, द्वेष ,घृणा को मा शीतला अपने हाथों से हमारे जीवन से बाहर करें और अच्छे कर्म करते हुए भलाई का काम करने की सद्बुद्धि प्रदान करें एवं स्वच्छता और संयमित जीवन जीने वालो पर जगत जननी मां शीतला की अनुपम कृपा हमेशा बनी रहती है अपने मन ,विचार और दिमाग की मलीनता को दूर करने का यह शीतला सप्तमी का पर्व हैअपने रिश्तेदारों और दूसरों के साथ छल कपट करने वाला व्यक्ति अपने को चलाक समझता है परन्तु वह अपने भाग्य के दरवाजे अपने हाथों से बंद कर लेता है ऐसा राठौर समाज के रणछोड़राय जी मंदिर के परम वंदनीय पुजारी पंडित कपिल पुरुषोत्तम जी जोशी ने बताया है

भारत को अमेरिका से अब तक मिलीं 588 प्राचीन वस्तुएं, 2024 में 297 की वापसी

नेशनल डेस्क. भारत को अब तक अमेरिका से कुल 588 प्राचीन वस्तुएं वापस मिल चुकी हैं, जिनमें से 297 वस्तुएं 2024 में प्राप्त हुईं। यह जानकारी केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गुरुवार को संसद में दी। उन्होंने यह जानकारी एक लिखित जवाब में राज्यसभा में दी। मंत्री से यह सवाल पूछा गया था कि चोरी या लूटी गई प्राचीन वस्तुएं जिन्हें अमेरिका-भारत सांस्कृतिक संपत्ति समझौते के तहत वापस लाने की उम्मीद है, उनकी संख्या कितनी है।

शेखावत ने जवाब में कहा, भारत और अमेरिका के बीच सांस्कृतिक संपत्ति समझौता इस उद्देश्य के तहत साइन किया गया है ताकि भारतीय प्राचीन वस्तुओं की तस्करी को रोका जा सके। यह समझौता एक रोकथाम उपाय के रूप में काम करता है, जिसमें कोई समयसीमा या लक्ष्य संख्या नहीं है। अब तक 588 प्राचीन वस्तुएं अमेरिका से वापस मिली हैं, जिनमें से 297 वस्तुएं 2024 में प्राप्त हुईं।

मंत्री से यह भी पूछा गया था कि क्या सरकार अन्य देशों या अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर चोरी हुई प्राचीन वस्तुएं वापस लाने के प्रयासों को मजबूत करने की योजना बना रही है। इस पर शेखावत ने बताया, भारत विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, जैसे यूनेस्को और इंटरपोल के साथ आवश्यकतानुसार सहयोग करता है। CPA में तकनीकी सहायता, अवैध व्यापार और सांस्कृतिक संपत्ति की लूट से संबंधित मामलों में सहयोग और आपसी समझ को बढ़ावा देने का प्रावधान है।

एक अलग सवाल में मंत्री से पूछा गया था कि क्या सरकार ने प्राचीन सम्प्रदायों के पुनरुद्धार को देखा है, खासकर कुंभ मेला जैसे आयोजनों के दौरान। इस पर शेखावत ने कहा कि कुंभ मेला भारत का एक महत्वपूर्ण हिन्दू तीर्थ यात्रा महोत्सव है और दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है, जिसमें लाखों श्रद्धालु पवित्र नदियों में स्नान करने आते हैं। इस आयोजन के दौरान कई प्राचीन सम्प्रदाय, आध्यात्मिक संगठन और धार्मिक नेता एकत्रित होते हैं, जो अक्सर शताब्दियों से चली आ रही परंपराओं, रीति-रिवाजों और पूजा पद्धतियों को प्रदर्शित करते हैं। भारत में प्राचीन सम्प्रदायों का पुनरुद्धार उन कारकों से प्रेरित है जैसे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर में बढ़ता हुआ रुचि और आधुनिक धार्मिक चुनौतियों के बीच गहरे अर्थ की तलाश।

उन्होंने यह भी बताया कि सोशल मीडिया और धार्मिक पर्यटन ने इन सम्प्रदायों के बारे में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह पुनरुद्धार समकालीन समाज में महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पारंपरिक प्रथाओं को संरक्षित करने में मदद करता है। भौतिकवाद के विकल्प के रूप में कार्य करता है, सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देता है और भारत की सांस्कृतिक जड़ों में राष्ट्रीय गर्व को मजबूत करता है।

बच्चे पैदा करने के लिए महिलाओं पर लोग कर रहे हैं 11 लाख तक खर्च...जानें वजह ?

नेशनल डेस्क. चीन में जन्म दर और विवाह दर में गिरावट अब गंभीर चिंता का विषय बन गई है। महंगाई, करियर प्राथमिकता और सामाजिक बदलावों के कारण युवा शादी और परिवार बसाने से बच रहे हैं। इस गिरावट का सीधा असर देश की जनसंख्या पर पड़ रहा है। 2024 में चीन में सिर्फ 61 लाख marriage registered हुए, जबकि 2023 में यह संख्या 77 लाख थी। वहीं, 2024 में चीन में केवल 95.4 लाख बच्चों का जन्म हुआ, जो बीते वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट को दर्शाता है। इस समस्या को और जटिल बना रहा है चीन में बिगड़ता लिंग अनुपात, जिससे विवाह योग्य महिलाओं की भारी कमी हो रही है। ऐसे में कई पुरुष दुल्हन खरीदने के लिए तस्करी का सहारा ले रहे हैं, जिससे महिलाओं की खरीद-फरोख्त एक संगठित अपराध का रूप ले चुकी है।

चीन में महिलाओं की खरीद-फरोख्त बढ़ी

चीन में महिलाओं का विवाह से दूर रहना और बच्चों को जन्म न देना समाज में नई चुनौतियां खड़ी कर रहा है। कई इलाकों में विवाह योग्य महिलाओं की कमी के कारण पुरुष शादी के लिए महिलाओं को खरीदने पर मजबूर हो रहे हैं। यह समस्या ग्रामीण इलाकों में अधिक गंभीर है, जहां शादी के लिए महिलाएं आसानी से नहीं मिल रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन में शादी के लिए महिलाओं को खरीदने के लिए 2 लाख से 11 लाख रुपये तक खर्च किए जा रहे हैं। यह व्यापार मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया के गरीब देशों जैसे म्यांमार, वियतनाम और अन्य पड़ोसी देशों से संचालित हो रहा है, जहां गरीबी और बेरोजगारी के कारण कई महिलाएं इस अवैध धंधे का शिकार बन रही हैं।

चीन सरकार की कार्रवाई बेअसर?

हालांकि, चीन की सरकार इस समस्या से निपटने के लिए सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय के जरिए सख्त कार्रवाई कर रही है, लेकिन यह समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही। अवैध विवाह एजेंसियां और बिचौलिए अभी भी सक्रिय हैं, जो महिलाओं की तस्करी कर उन्हें चीन में अवैध शादियों के लिए बेच रहे हैं। चीन में घटती जनसंख्या और विवाह दर से जुड़े ये गंभीर मुद्दे देश की आर्थिक और सामाजिक संरचना को प्रभावित कर सकते हैं। यदि यह प्रवृत्ति जारी रही, तो जनसंख्या असंतुलन, श्रमशक्ति की कमी, और आर्थिक विकास में बाधा जैसी समस्याएं चीन के सामने आ सकती हैं। वहीं, तस्करी के कारण महिलाओं के मौलिक अधिकारों का हनन और अपराध दर में वृद्धि भी एक बड़ा संकट बन सकता है।

जर्मनी ने रूसी छाया बेड़े से संबंधित टैंकर जब्त किया, स्पीगेल की रिपोर्ट

नेशनल डेस्क . जर्मनी ने जनवरी में अपने उत्तरी तट पर बहते एक पुराने टैंकर को जब्त कर लिया, जिसे रूस द्वारा तेल प्रतिबंधों को दरकिनार करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले छाया बेड़े का हिस्सा माना जा रहा है।

कैसे पकड़ा गया टैंकर?

पनामा के झंडे वाला यह जहाज, जिसका नाम इवेंटिन है, जर्मन समुद्री अधिकारियों को बाल्टिक सागर के रुगेन द्वीप के पास मिला। इसे जब्त करने के बाद बर्लिन ने रूस की कड़ी आलोचना की। टैंकर रूस से मिस्र जा रहा था।

टैंकर और तेल की जब्ती

स्पीगेल पत्रिका की रिपोर्ट के मुताबिक, टैंकर को जब्त करने का आदेश जारी कर दिया गया है। इसका मतलब यह है कि जहाज और उसके लगभग 100,000 मीट्रिक टन तेल, जिसकी कीमत करीब 40 मिलियन यूरो (लगभग 43.33 मिलियन डॉलर) है, अब जर्मनी की संपत्ति बन चुका है।

जर्मनी की प्रतिक्रिया

जर्मनी के वित्त मंत्रालय ने मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि सीमा शुल्क उपाय जारी हैं। वहीं, स्थानीय सीमा शुल्क अधिकारियों ने बताया कि अभी तक यह कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है।

रूस की प्रतिक्रिया

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि रूस को इस जहाज के बारे में कोई जानकारी नहीं है, न ही इसके मालिक या इसे जब्त करने के कारणों के बारे में।

यूरोपीय संघ के प्रतिबंध और छाया बेड़ा

इवेंटिन को यूरोपीय संघ के 16वें प्रतिबंध पैकेज में शामिल किया गया था, जो रूस के छाया बेड़े पर दबाव बढ़ाने के लिए लागू किया गया था। रूस प्रतिबंधों की अवहेलना कर इन जहाजों का उपयोग तेल, हथियार और अनाज ले जाने के लिए करता है, जिससे वह यूक्रेन युद्ध के लिए वित्तीय सहायता जुटाता है। जर्मनी अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर इस खामी को बंद करने के लिए काम कर रहा है, ताकि रूस को यूक्रेन युद्ध के लिए धन जुटाने से रोका जा सके।

एअर इंडिया की फ्लाइट में देरी होने पर सांसद सुप्रिया सुले का गुस्सा फूटा, बोली- नियम सख्ती से लागू हों

नेशनल डेस्क. NCP की लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने एअर इंडिया की फ्लाइट AI0508 की देरी को लेकर गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि वह एक घंटे 19 मिनट की देरी से यात्रा कर रही हैं और यह लगातार हो रही देरी यात्रिओं के लिए परेशानी का कारण बन चुकी है। उन्होंने इसे अस्वीकार्य बताया और एयरलाइन की जवाबदेही तय करने की मांग की।

केंद्रीय मंत्री से की कार्रवाई की मांग

सुप्रिया सुले ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से आग्रह किया कि वे एअर इंडिया जैसी एयरलाइनों को बार-बार देरी के लिए जिम्मेदार ठहराएं और यात्रियों के लिए बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए सख्त नियम लागू करें।

निरंतर कुप्रबंधन से प्रभावित लोग

एक अन्य पोस्ट में सुप्रिया ने लिखा कि एअर इंडिया की उड़ानें लगातार देरी से चल रही हैं, जो अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि प्रीमियम किराया देने के बावजूद उड़ानें कभी समय पर नहीं पहुंचतीं। इस वजह से पेशेवर, बच्चे या बुजुर्ग सभी प्रभावित हो रहे हैं।

एअर इंडिया का सफाई बयान-

सुप्रिया के आरोपों के जवाब में एअर इंडिया ने सफाई दी। एयरलाइन ने कहा कि देरी से यात्रा करना निश्चित रूप से निराशाजनक हो सकता है, लेकिन कभी-कभी ऑपरेशनल समस्याएं होती हैं जो उड़ान के शेड्यूल को प्रभावित कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई जाने वाली उड़ान में भी इसी प्रकार की कोई समस्या थी, जिसके कारण एक घंटे की देरी हुई।

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी ने याद की भारत की दरियादिली

कहा- हमने धोखा दिया, फिर भी भारत ने गले लगाया

नेशनल डेस्क. पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी ने भारत और पाकिस्तान के रिश्तों पर गहरी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा भारत के साथ धोखा किया, विशेष रूप से कारगिल युद्ध के दौरान, लेकिन इसके बावजूद भारत ने हमेशा पाकिस्तान के साथ अपने रिश्तों को सुधारने की कोशिश की और उसे गले लगाया। कसूरी ने यह बात पाकिस्तान-भारत संबंधों पर लाहौर में आयोजित एक कार्यक्रम में कही, जिसका आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ पीस एंड कनेक्टिविटी ने किया था।

इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि आजकल भारत और पाकिस्तान के रिश्ते काफी खराब दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन यह उम्मीद जताई कि भविष्य में दोनों देशों के बीच एक सकारात्मक बदलाव आ सकता है। कसूरी का मानना है कि बातचीत और आपसी समझ से ही दोनों देशों के बीच चल रहे विवादों का समाधान हो सकता है, और यह एकमात्र तरीका है जिससे इन दोनों देशों के रिश्तों में सुधार हो सकता है।कसूरी ने उदाहरण देते हुए कहा कि कारगिल युद्ध के बाद भी जब दोनों देशों के रिश्तों में तनाव था, तब भारत और पाकिस्तान ने शांति प्रक्रिया को बहाल करने के लिए बातचीत शुरू की थी। उनका कहना था कि यह एक महत्वपूर्ण उदाहरण है, जो दिखाता है कि युद्ध और संघर्ष के बाद भी बातचीत से संबंधों में सुधार संभव है।

कसूरी ने आगे कहा, अगर दोनों देश आपसी विवादों को शांति और समझदारी से सुलझाने का मौका चूक जाते हैं, तो यह एक दुखद घटना होगी। उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तान और भारत के बीच कश्मीर जैसे विवादों को हल करने के लिए पहले से ही एक चार सूत्रीय फॉर्मूला मौजूद है, जिस पर दोनों देशों की सहमति बन चुकी थी। यह एक संकेत है कि दोनों देशों के बीच इस मुद्दे का समाधान संभव है, अगर दोनों पक्ष इस पर गंभीरता से काम करें।

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी और डॉ. मनमोहन सिंह जैसे नेताओं के नेतृत्व में भारत ने शांति प्रयासों को महत्व दिया और पाकिस्तान के साथ अपने रिश्तों को सुधारने की कोशिश की। उनका कहना था कि भारत की जनता पाकिस्तान के साथ शांति चाहती है, और इस स्थिति में बदलाव संभव है। कसूरी ने यह भी याद दिलाया कि कारगिल युद्ध के समय के सूत्रधार, पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ, को दिल्ली में गर्मजोशी से स्वागत किया गया था। यह उदाहरण दर्शाता है कि पाकिस्तान-भारत रिश्तों में कठिनाइयों के बावजूद सुधार संभव है।

दुनिया के सबसे खुशहाल देशों की आई रिपोर्ट, पाकिस्तान से इतना पीछे रह गया भारत

इंटरनेशनल डेस्क. दुनिया में हर किसी का सपना होता है खुशहाल जिंदगी जीने का, लेकिन क्या आपको पता है कि दुनिया के सबसे खुशहाल देश कौन से हैं? हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने %इंटरनेशनल डे ऑफ हैप्पीनेस% के मौके पर वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2025 जारी की है। इस रिपोर्ट में 147 देशों को शामिल किया गया है, और इन देशों की रैंकिंग जीवन की गुणवत्ता के आधार पर तय की गई है।

कौन से देश हैं टॉप-5?

इस बार की रिपोर्ट में फिनलैंड ने एक बार फिर अपनी टॉप पोजीशन बरकरार रखी है। यानी फिनलैंड के लोग सबसे खुशहाल माने गए हैं। यह लगातार आठवां साल है जब फिनलैंड ने यह मुकाम हासिल किया है। फिनलैंड में जीवन स्तर बहुत ऊंचा है, यहां के लोग अपनी जिंदगी को खुशहाल मानते हैं, और सरकार द्वारा की गई विभिन्न नीतियां भी यहां के लोगों की खुशहाली में योगदान देती हैं।

दुनिया के सबसे खुशहाल देश

फिनलैंड = फिनलैंड का नाम सबसे पहले आता है, जो लगातार आठवें साल इस स्थान पर बना हुआ है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, और लोगों की सामान्य जीवनशैली ने इस देश को यह रैंकिंग दिलाई है।

डेनमार्क = डेनमार्क दूसरे स्थान पर है। यहां की जीवनशैली, समाजिक सुरक्षा, और नागरिकों के बीच मजबूत संबंध इस देश को खुशहाल बनाते हैं।

आइसलैंड = तीसरे स्थान पर है आइसलैंड, जो अपनी शांतिपूर्ण वातावरण, स्वास्थ्य सेवाओं और जीवन की सरलता के लिए जाना जाता है।

स्वीडन = स्वीडन ने भी अपनी जगह को बनाए रखा है। यहां का समाजिक कल्याण, कार्य-life बैलेंस और शिक्षा की गुणवत्ता इसे एक खुशहाल देश बनाती है।

नीदरलैंड = नीदरलैंड पांचवे स्थान पर है। यहां का उच्च जीवन स्तर, हर किसी के लिए समान अवसर और नागरिकों की खुशहाली को सबसे ऊपर रखा गया है।

भारत की स्थिति कैसी है?

अब बात करते हैं भारत की। भारत इस रिपोर्ट में 118वें स्थान पर है। हालांकि यह स्थिति पिछले साल से थोड़ी बेहतर हुई है, क्योंकि 2024 में भारत 126वें स्थान पर था। इस सुधार के बावजूद भारत की स्थिति अभी भी संतोषजनक नहीं मानी जा सकती है। भारतीय नागरिकों के जीवन में बहुत से आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक मुद्दे हैं, जो उनके खुश रहने की दर को प्रभावित करते हैं।

पाकिस्तान की स्थिति भारत से बेहतर

दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान की रैंकिंग भारत से बेहतर है। पाकिस्तान इस लिस्ट में 109वें स्थान पर है, यानी भारत से 9 पायदान ऊपर। इसके बावजूद दोनों देशों की रैंकिंग बहुत अधिक बेहतर नहीं हैं, लेकिन यह दर्शाता है कि पाकिस्तान के नागरिकों की खुशहाली की दर भारतीय नागरिकों से कुछ बेहतर है।

युद्धग्रस्त देशों का आश्चर्यजनक प्रदर्शन

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में कुछ युद्धग्रस्त देशों की रैंकिंग भी भारत से बेहतर है। इनमें यूक्रेन, फिलिस्तीन, इराक, और ईरान जैसे देश शामिल हैं। इन देशों में राजनीतिक और आर्थिक मुद्दे तो हैं ही, साथ ही ये देश युद्ध जैसी परिस्थितियों का सामना भी कर रहे हैं, फिर भी उनकी रैंकिंग भारत से अच्छी है। यह रिपोर्ट इस बात को साबित करती है कि खुशहाली केवल आर्थिक स्थिरता पर निर्भर नहीं होती, बल्कि समाज में समानता, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, और नागरिक स्वतंत्रता का भी बहुत बड़ा हाथ होता है।

क्या कारण हैं भारत की खराब रैंकिंग के?

भारत की खुशहाली में कमी का मुख्य कारण यहां के नागरिकों का जीवनस्तर, समाजिक असमानता, और राजनीतिक अस्थिरता है। गरीबी, बेरोजगारी, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, और बढ़ती असमानता भारत में खुशी की राह को बाधित करती है। इसके अलावा, भ्रष्टाचार और शिक्षा की गुणवत्ता भी भारतीय नागरिकों के खुश रहने में एक बड़ी रुकावट बनकर उभरी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569